PRGI No. RJHIN/25/A3844   डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'दिखावे से मिली पहचान क्षणिक होती है, लेकिन सादगी से मिला सम्मान जीवनभर साथ रहता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-150 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'दिखावे की चमक में खोता सच: आधुनिक समाज का मौन संकट'

एक छोटे से गांव का एक युवा शहर में नौकरी करने लगा। पहली तनख्वाह मिली तो उसने घर पैसे भेजने की बजाय एक महंगा मोबाइल खरीद लिया। दूसरी तनख्वाह पर ब्रांडेड कपड़े, तीसरी पर बाइक की ईएमआई शुरू कर दी। गांव में उसके माता-पिता अब भी साधारण जीवन जी रहे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर वह युवा 'सफलता' का प्रतीक बन चुका था। कुछ महीनों बाद वही युवा कर्ज के बोझ और मानसिक तनाव में टूटने लगा। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि आज के आधुनिक समाज की सच्चाई है–जहाँ 'दिखना' ही 'होना' बन गया है। यहां पर बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज का समाज एक अजीब प्रतिस्पर्धा में उलझ गया है–यह प्रतिस्पर्धा प्रतिभा या परिश्रम की नहीं, बल्कि दिखावे की है। लोग अपनी वास्तविक पहचान को स्वीकार करने के बजाय, दूसरों की नजरों में 'सफल' और 'खुश' दिखने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ में वे अपनी असली खुशी, मानसिक शांति और आर्थिक स्थिरता तक को दांव पर लगा देते हैं। दिखावा अब केवल एक आदत नहीं रहा, बल्कि एक मानसिक दबाव बन चुका है, जिसे समाज ने सामान्य मान लिया है।

दिखावे का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। आज जरूरत और चाहत के बीच की रेखा लगभग मिट चुकी है। लोग अपनी आय से अधिक खर्च करने लगे हैं, केवल इसलिए कि वे समाज में अपनी 'इमेज' बनाए रख सकें। महंगे स्मार्टफोन, ब्रांडेड कपड़े, लग्जरी गाड़ियाँ और आलीशान जीवनशैली–ये सब अब 'जरूरत' नहीं, बल्कि 'स्टेटस सिंबल' बन चुके हैं। ईएमआई और कर्ज पर आधारित यह जीवनशैली धीरे-धीरे व्यक्ति को आर्थिक जाल में फंसा देती है। बाहर से सब कुछ चमकदार दिखाई देता है, लेकिन भीतर आर्थिक अस्थिरता और चिंता घर कर जाती है। इस दिखावे की प्रवृत्ति का दूसरा बड़ा प्रभाव व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। जब हम अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं, तो हमारे भीतर हीनता और असुरक्षा की भावना जन्म लेती है। 'उसके पास क्या है?'–यह सवाल हमारे आत्म-संतोष को खत्म कर देता है। धीरे-धीरे हम अपनी उपलब्धियों को कमतर आंकने लगते हैं और दूसरों की सफलता को अपने लिए मापदंड बना लेते हैं। यही तुलना ईर्ष्या, तनाव और अवसाद का कारण बनती है। सोशल मीडिया ने इस समस्या को कई गुना बढ़ा दिया है। आज हर व्यक्ति अपने जीवन का एक 'संपादित संस्करण' दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर दिखने वाली मुस्कानें, महंगे होटल, विदेशी यात्राएं–ये सब जीवन का एक छोटा सा हिस्सा होते हैं, लेकिन इन्हें इस तरह प्रस्तुत किया जाता है मानो यही पूरी सच्चाई हो। जो लोग इसे देखकर अपनी जिंदगी से तुलना करते हैं, वे अनजाने में ही खुद को असफल मानने लगते हैं। यह एक भ्रम की दुनिया है, जिसमें सच्चाई कहीं पीछे छूट जाती है।

दिखावा व्यक्ति को उसकी वास्तविक प्राथमिकताओं से भी भटका देता है। वह अपने समय और ऊर्जा को उस चीज़ में लगा देता है, जो केवल दूसरों को प्रभावित करने के लिए होती है। परिवार के साथ बिताने का समय, आत्म-विकास के अवसर और मानसिक शांति–ये सब पीछे छूट जाते हैं। व्यक्ति बाहरी रूप से भले ही सफल दिखाई दे, लेकिन भीतर से वह खालीपन और असंतोष महसूस करता है। दरअसल, दिखावा उस नमक की तरह है, जो प्यास बुझाने के बजाय और बढ़ा देता है। जितना अधिक व्यक्ति दिखावा करता है, उतनी ही उसकी इच्छाएं बढ़ती जाती हैं। यह एक अंतहीन दौड़ है, जिसमें कोई अंतिम लक्ष्य नहीं है। इस दौड़ में व्यक्ति अपनी मौलिकता खो देता है और एक कृत्रिम जीवन जीने लगता है। समाधान की शुरुआत आत्मबोध से होती है। हमें यह समझना होगा कि सादगी कोई कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ा ऐश्वर्य है। जो व्यक्ति अपनी सीमाओं में रहकर संतुष्ट रहता है, वही वास्तव में समृद्ध होता है। असली सम्मान महंगे कपड़ों या गाड़ियों से नहीं, बल्कि हमारे चरित्र, व्यवहार और ज्ञान से मिलता है। हमें अपनी वित्तीय सीमाओं का सम्मान करना सीखना होगा। खर्च करने से पहले यह विचार करना जरूरी है कि यह वास्तव में हमारी जरूरत है या केवल दिखावे का साधन। बचत और निवेश को प्राथमिकता देना, अनावश्यक खर्चों से बचना और भविष्य की योजना बनाना–ये कदम हमें आर्थिक रूप से मजबूत बनाते हैं। साथ ही, मानसिक शांति को भी प्राथमिकता देनी होगी। दूसरों की राय के बजाय अपने आत्म-संतोष को महत्व देना जरूरी है। जब हम अपनी खुशी का निर्धारण स्वयं करने लगते हैं, तब बाहरी दिखावे का प्रभाव स्वतः कम हो जाता है।

अंततः, यह समझना बेहद आवश्यक है कि असली 'स्टेटस' वह नहीं है जो लोग हमारे बारे में देखते हैं, बल्कि वह है जो हम अपने भीतर महसूस करते हैं। यदि हम भीतर से संतुष्ट, शांत और आत्मविश्वासी हैं, तो हमें किसी दिखावे की आवश्यकता नहीं है। दिखावा एक ऐसा महंगा शौक है, जो अंततः व्यक्ति को अंदर से खोखला और बाहर से कर्जदार बना देता है। इसलिए समय की मांग है कि हम इस कृत्रिम चमक-दमक से बाहर निकलें और एक सादगीपूर्ण, संतुलित और सच्चे जीवन की ओर कदम बढ़ाएं–क्योंकि असली खुशी दिखाने में नहीं, बल्कि जीने में है।

भीषण गर्मी में राहत: झुंझुनूं में मनरेगा श्रमिक अब सुबह 6 से दोपहर 1 बजे तक करेंगे काम

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने मनरेगा श्रमिकों को बड़ी राहत दी है। जिले में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के तहत कार्यस्थलों पर काम करने वाले मजदूरों के लिए कार्य समय में बदलाव किया गया है।जिला परिषद झुंझुनूं द्वारा जारी आदेशों के अनुसार 24 अप्रैल 2026 से जिले में सभी मनरेगा कार्यों का समय सुबह 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रशासन का उद्देश्य श्रमिकों को भीषण गर्मी और लू से बचाते हुए सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है। जिला परिषद के

मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समयावधि में कोई अलग से लंच ब्रेक नहीं होगा, ताकि श्रमिक दोपहर की तेज गर्मी से पहले ही अपना काम पूरा कर सकें और सुरक्षित घर लौट सकें। प्रशासन ने श्रमिकों को अतिरिक्त सुविधा देते हुए टास्क आधारित कार्य प्रणाली भी लागू की है। इसके तहत यदि कोई श्रमिक समूह निर्धारित कार्य को तय समय से पहले पूरा कर लेता है, तो उन्हें समय से पहले घर जाने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए मेट के पास उपलब्ध मस्टररोल में कार्य का माप दर्ज करवाना आवश्यक होगा। साथ ही समूह के मुखिया के हस्ताक्षर और हरूरू (नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम) के तहत दूसरी पारी की हाजिरी दर्ज होने के बाद ही श्रमिक कार्यस्थल छोड़ सकेंगे।जिला प्रशासन का कहना है कि लगातार बढ़ते तापमान और लू के खतरे को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह बदलाव किया गया है, जिससे उन्हें राहत मिल सके और कार्य भी सुचारू रूप से जारी रह सके।

समाधान शिविर में 55 नागरिकों ने रखी समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में वीरवार को लघु सचिवालय में 55 नागरिकों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी। इस मौके पर एसडीएम आईएएस अनिरुद्ध यादव ने शिकायतें सुनीं। शिविर में मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, बिजली-पानी, पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। उन्होंने बताया कि हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक जिला स्तर पर लघु सचिवालय व उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम में सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर, डीएमसी नगर परिषद रणवीर सिंह, नगराधीश डॉ मंगल सेन, डीएसपी सुरेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

पूर्व फौजी की जमीन से रास्ता निकालने का विरोध: कलेक्टर से बोले- पटवारी, गिरदावर ने दी गलत रिपोर्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । झुंझुनूं जिले के नयासर गांव में जमीन विवाद को लेकर 86 वर्षीय रिटायर्ड फौजी हरसाराम नायक ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। बुजुर्ग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर अपनी जमीन से जबरन रास्ता निकालने के प्रयास का विरोध जताया।

हरसाराम नायक ने बताया - वे पिछले करीब 50 वर्षों से अपनी जमीन पर रह रहे हैं। यहां उनका मकान, कुआं और एक मंदिर बना हुआ है। इसके बावजूद अब उनकी जमीन के बीच से रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे परेशान हैं।

पहले से मौजूद हैं अन्य रास्ते

हरसाराम नायक का कहना है कि दूसरे पक्ष के पास आने-जाने के लिए पहले से ही वैकल्पिक रास्ते मौजूद हैं। लेकिन अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में इन रास्तों का जिक्र नहीं किया। उनका आरोप है कि सच्चाई छिपाकर उनकी जमीन के बीच से रास्ता निकालने का आधार बनाया जा रहा है। बुजुर्ग ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और उनकी जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से न्याय की उम्मीद जताई है।

पटवारी-गिरदावर पर गलत रिपोर्ट का आरोप

बुजुर्ग ने आरोप लगाया कि पटवारी और गिरदावर ने मामले में गलत रिपोर्ट तैयार कर कोर्ट में पेश की है। इसी रिपोर्ट के आधार पर उनके घर और मंदिर के बीच से जबरन रास्ता निकालने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में तथ्यों को छिपाया गया है और वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज किया गया है।

दो साल से फाइलों में कैद सड़क: खेत उजाड़े, रास्ता अधूरे, अब ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कागजों में स्वीकृति की मोहर लगे दो साल बीत गए, मगर जमीन पर सड़क आज भी अधूरी पड़ी है। मंडावर महवा हाईवे से रसीदपुर स्थित मोटी नीमडी से पाखर, केसरी होते हुए केसरा चौराहे तक जाने वाली सड़क का निर्माण समय पर नहीं होने से ग्रामीणों का सब्र अब जवाब देने लगा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि जिस रास्ते से विकास की उम्मीद थी, वहीं अब परेशानी की धूल उड़ रही है और जिम्मेदार विभाग की चुप्पी लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कती नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग की अनदेखी के चलते स्वीकृत सड़क आज तक धरातल पर पूरी नहीं उतर सकी। एडवोकेट भुवनेश त्रिवेदी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रदेश की पीडब्ल्यूडी मंत्री दिया कुमारी को शिकायत भेजकर पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायत में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि सड़क निर्माण के नाम पर ठेकेदार ने कई माह पहले आसपास के खेतों से तारबंदी और जाल हटवाकर मिट्टी उठाई और उसे सड़क पर डलवा दिया, जिससे किसानों के खेत गहरे गड्ढों में तब्दील हो गए और उन्हें हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। आज हालात यह हैं कि सड़क पर डाली गई कच्ची मिट्टी वाहनों की आवाजाही के साथ उड़ती रहती है, जिससे राहगीरों और आसपास के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धूल के गुबार में रोजमर्रा की जिंदगी उलझ गई है और ग्रामीणों की आवाज अब सवाल बनकर उठ रही है कि आखिर विकास की राह में इतनी देरी क्यों। दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क की बदहाली ने साफ कर दिया है कि जिम्मेदारों की लापरवाही किस तरह आमजन पर भारी पड़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह सड़क समय पर बन जाए तो क्षेत्र के कई गांवों को सीधा फायदा मिलेगा, आवागमन सुगम होगा और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी, लेकिन वर्तमान स्थिति में लोग परेशानियों के दलदल में फंसे हुए हैं। हालात को बयां करती एक पंक्ति खुद-ब-खुद जुबां पर आ जाती है– 'वो राह ही क्या जो मंज़िल तक ले जाए नहीं, और वो जिम्मेदारी ही क्या जो निभाई जाए नहीं।' अब देखना यह है कि शिकायत के बाद जिम्मेदार विभाग हरकत में आता है या फिर यह सड़क यूं ही फाइलों और धूल के बीच दम तोड़ती रहती है।

मंडावा के वार्ड 10 में जल संकट पर बवाल, महिलाओं ने मटके फोड़कर किया प्रदर्शन

जेईएन का घेराव कर सुनाई खरी खोटी ,कल तक समाधान नहीं तो कार्यालय पर ताला लगाने की दी चेतावनी

आक्रोशित महिलाओं ने परिसर में फोड़े मटके जताया विरोध ,दो विभागों के बीच फंसा हुआ है पानी सप्लाई का मामला

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के वार्ड नंबर 10 में पिछले एक माह से चल रही पेयजल संकट की समस्या अब उग्र रूप लेती जा रही है। भीषण गर्मी के बीच पानी की लगातार कमी से परेशान वार्डवासियों का आक्रोश गुरुवार को खुलकर सामने आया, जब बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने जलदाय

विभाग कार्यालय पहुंचकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित महिलाओं ने जेईएन राम सिंह का घेराव करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान महिलाओं ने विभाग परिसर में मटके फोड़कर नारेबाजी की और जल्द से जल्द पानी की समस्या का समाधान करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि पिछले एक महीने से उन्हें पीने के पानी तक के लिए तरसना पड़ रहा है, लेकिन संबंधित विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि पानी सप्लाई का मामला दो विभागों के बीच फंसा हुआ है। एक ओर रूडीप (RUIDP) जलदाय विभाग को जिम्मेदार ठहरा रहा है, वहीं जलदाय विभाग रूडीप पर जिम्मेदारी डाल रहा है। इस आपसी तालमेल की कमी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि आज शाम तक पानी की सप्लाई सुचारु रूप से शुरू नहीं की गई, तो कल जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर घेराबंदी कर तालाबंदी की जाएगी और उग्र आंदोलन किया जाएगा। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समस्या का स्थायी समाधान चाहती हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त, अब तक 216 सिलेंडर जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

डीसी अनुपमा अंजली के आदेश पर विभाग की टीमें लगातार फिल्ड में

जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में है। उपायुक्त अनुपमा अंजली के दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए संबंधित विभाग की टीमें लगातार नजर बनाए हुए हैं। सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने बताया कि प्रशासन की इस सख्ती का मुख्य उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं के हक को सुरक्षित रखना और गैस के अनधिकृत उपयोग पर लगाम लगाना है। उन्होंने बताया कि अब तक जिले के विभिन्न हिस्सों में कुल 33 स्थानों पर रेड की गई है। इस कार्रवाई के दौरान विभिन्न ढाबों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर 216 घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से इस्तेमाल होते पाए गए। विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन सभी सिलेंडरों को जब्त कर लिया है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार आगामी कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्यवाही के साथ-साथ विभाग ने आमजन और व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी जारी किया है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि विवाह-शादियों और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में केवल व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का ही प्रयोग किया जाए।

दिन में फेरों का आयोजन कर समाज को दिया सकारात्मक संदेश

हिम्मतरामका परिवार ने एक आदर्श उदाहरण किया प्रस्तुत

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जयपुर के भंवर सिंह पैलेस बगरू में आयोजित एक विवाह समारोह ने समाज को सकारात्मक दिशा देने का संदेश दिया। पूर्वी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष झंडीप्रसाद हिम्मतरामका की सुपौत्री सौ. कां. प्राची हिम्मतरामका का विवाह नेछवा प्रवासी चैन्नई निवासी सीए राजाराम मोर के सुपुत्र चि. मनीष मोर के साथ विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस विवाह की सबसे खास बात यह रही कि फेरे दिन में कराए गए। जिससे समाज में एक सशक्त और प्रगतिशील संदेश गया। आमतौर पर जहां रात्रि विवाह की परंपरा प्रचलित है। वहीं इस आयोजन के माध्यम से यह दर्शाया गया कि शुभ मुहूर्त और सादगी को प्राथमिकता देते हुए दिन में भी विवाह पूर्णतः संभव और

उचित है। विवाह संस्कार के फेरे पं. मुकेश पुजारा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराए। इससे पहले चिड़ावा के बिंवाल भवन में श्याम पाठ का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नवदंपत्ति को आशीर्वाद देते हुए इस पहल की सराहना की। हिम्मतरामका परिवार की ओर से झंडीप्रसाद हिम्मतरामका, महेश हिम्मतरामका, प्रदीप एवं संदीप हिम्मतरामका सहित अन्य परिजनों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। यह विवाह समारोह न केवल एक पारिवारिक उत्सव रहा। बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव और नई सोच को प्रोत्साहित करने वाला उदाहरण भी बना।

प्री वेडिंग शूट से भी किया किनारा

समाज में प्री वेडिंग शूट को बंद करने की कई बार चर्चा हो चुकी है। जिसका समर्थन करते हुए हिम्मतरामका परिवार ने प्री वेडिंग शूट से भी किनारा किया। चंद फोटोग्राफ्स के अलावा कोई वीडियोग्राफी या फिर बड़े स्तर पर प्री वेडिंग शूट भी नहीं किया गया। जिसे भी समाज के लिए एक सकारात्मक कदम बताया जा रहा है।

अगर आप भी अपने लटकते हुए पेट से परेशान हैं

तो आइये जानते हैं कि इसे कैसे ठीक करना है

महिलाएं अपने जीवन के विभिन्न चरणों में कई बदलावों से गुजरती हैं। चाहे वह गर्भावस्था हो, वजन कम करना हो, वजन बढ़ना हो या कोई अन्य समय, बहुत कुछ है जो आपके रास्ते में आता है। आपने महसूस किया होगा कि अब आपका शरीर वैसा नहीं रहा, जैसी आप पहले दिखती थीं।आपने यह भी देखा होगा कि पेट की चर्बी नीचे लटक रही है। इस बात से इंकार नहीं है कि यह भद्दा दिखता है और आप इसे जितना संभव हो सके छुपाना चाहेंगी, लेकिन आपको समस्या से निपटने की आवश्यकता है। लेकिन इससे पहले कि हम समाधान के बारे में बात करें, आइए समझते हैं कि एप्रन बेली क्या है।

एप्रन बेली क्या है?

इसे pannus stomach æ mothers apron भी कहा जाता है। यह तब होता है जब वसा आंतरिक अंगों को घेर लेती है। यह वजन बढ़ने या गर्भावस्था के कारण होता हैं। इसके परिणामस्वरूप ओमेंटम में अतिरिक्त वसा जमा हो जाती है, जो आपके पेट की मांसपेशियों के नीचे एप्रन जैसा फ्लैप देती है।ऐसा नहीं है कि सभी एप्रन बेली की शिकार हैं, इसका आकार भिन्न हो सकता है। आम तौर पर, दो कारण होते हैं- प्रसव और वजन बढ़ना। एप्रन पेट होने से ओवरी कैंसर सहित कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है और इसे हृदय रोग और टाइप 2 मधुमेह के उच्च जोखिम से जोड़ा गया है।

क्या एप्रन बेली को कम करना संभव है?

सबसे पहले, स्वस्थ आहार का सेवन और नियमित रूप से व्यायाम करके समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। आप अलग से एप्रन बेली का इलाज नहीं कर सकतीं, क्योंकि यह समग्र वजन घटाने और गैर-सर्जिकल विकल्पों का एक संयोजन है।जब आप अपना वजन कम करती हैं, तो आपकी वसा जमा कम हो जाती है। कुछ लोग कह सकते हैं कि क्रंच और सिट-अप करने से मदद मिलेगी। यह निश्चित रूप से पेट की मांसपेशियों को मजबूत करेगा, लेकिन वे आपके एप्रन बेली को गायब नहीं कर सकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि पेट के क्षेत्र में वसा की दो परतें होती हैं, जिसके कारण वजन घटाना कठिन होता है! इसीलिए आप स्पॉट एक्सरसाइज पर ध्यान देने के बजाय, ऐसे व्यायाम करें जिनमें आप हर तरह से अपना वज़न कम कर सकें।

शारीरिक ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है रोना

अक्सर जब हम खुश, दुखी, क्रोधित, निराश और अजीब भावनाओं से गुजरते हैं, तो हमें रोना आता है... लेकिन ऐसा क्यों है? इसके बारे में अधिक जानने के लिए आगे पढ़ते रहिए। मनुष्य एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जिनकी आंखों में विभिन्न भावनाएं, अच्छी या बुरी के चलते आंसू आ जाते हैं। लेकिन वैज्ञानिक अभी भी यह नहीं जानते, कि रोना कैसे हमारे शारीरिक कार्य और भावनाओं के साथ जुड़ा हुआ है। किसी खास भावना को स्पर्श करना, घर या काम की तनावपूर्ण घटानाएं और यहां तक की शादी या बच्चे होने जैसी अच्छी खबरें सुनने पर भी कई बार हमें रोना आता है। लेकिन कभी-कभी, आपको अपने आंसुओं को बहने देने की जरूरत होती है। हम में से अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि रोना हमारे शरीर और मस्तिष्क पर बहुत गहरा प्रभाव डाल सकता है। जानना चाहती हैं कैसै? चलिए तो हम आपको बताते हैं।

रोने से तनाव दूर होता है-जब हम दुखी होते हैं (और कभी-कभी खुश होते हैं) तो हम क्यों रोते हैं? रोने के लाभों में से एक यह भी हो सकता है कि यह परेशान महसूस करने पर, शारीरिक तनाव को दूर करने में मदद करता है। लॉरेन ब्यलस्मा, पीएचडी, जो कि पिट्सबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन विश्वविद्यालय में मनोचिकित्सा की सहायक प्रोफेसर हैं, कहती हैं ÷ऐसा लगता है कि रोने की शुरुआत शारीरिक उत्तेजना के चरम के बाद होती है क्योंकि सहानुभूति गतिविधि कम होने लगती है और पैरासिम्पेथेटिक गतिविधि बढ़ जाती है, जिससे शरीर को होमोस्टेसिस में वापस लाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो, रोना तब आता है जब हमारा शरीर लड़ाई या उड़ान की स्थिति से एक शांत, आराम और पाचन स्थिति में लौटता है।

रोने से मूड में सुधार होता है-दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के एक मनोविज्ञान प्रोफेसर, पीएचडी, जोनाथन रॉटनबर्ग कहते हैं, सर्वेक्षणों में लगभग दो-तिहाई लोग आमतौर पर रोने के बाद बेहतर महसूस करते हैं। हालांकि यह संभावना है कि रोने के लाभों को लोग ओवर रिपोर्ट भी कर सकते हैं, या गलत तरीके से भी कर सकते हैं। क्योंकि जब हम एक नियंत्रित प्रयोगशाला सेटिंग में रोते हैं, तो यह स्पष्ट नहीं है कि रोने से लोगों को बेहतर महसूस होता है। तो हां, रोने से हमारे मूड को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, लेकिन आमतौर पर हम जितना मानते हैं, उससे थोड़ा कम।

रोने के प्रमुख शारीरिक प्रभाव होते हैं-रोना केवल एक भावनात्मक कार्य नहीं है, बल्कि यह एक भौतिक कार्य भी है। रैकिंग सॉब्स, सिर दर्द, दमकती त्वचा, एक बहती नाक और पूरे शरीर में होने वाले झटके आपके शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों में से कुछ हैं। ऐसा क्यों होता है? डॉ. रॉटनबर्ग के अनुसार, रोना वह पुल हो सकता है जो अधिक आराम की स्थिति में ले जाता है, कुछ ही मिनटों में, इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि रोने की क्रिया अत्यधिक उत्तेजित होती है।वे कहते हैं, जो लोग रोते हैं उनकी पल्स रेट बढ़ती है और उन्हें अधिक पसीना आता है। इस अर्थ में, रोना शरीर के लिए एक 'कसरत' है। हालांकि, इसको लेकर अभी और अधिक अध्ययनों की आवश्यकता है जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों की जांच करते हैं।

रोने से विषाक्त पदार्थों से छुटकारा मिल सकता है-बायोकेमिस्ट विलियम फ्रे ने 1970 के दशक के अंत में और 1980 के दशक की शुरुआत में रोने को लेकर कुछ ज़बरदस्त शोध किए, जो बताते हैं कि आंसू अवांछित विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करते हैं। डॉ बयेल्स बताती हैं ÷उन्होंने चिड़चिड़े आंसू (जैसे कि प्याज काटते समय आंखों से निकलते हैं) भावनात्मक आंसू की तुलना में कुछ रासायनिक मतभेद पाए। जैसे भावनात्मक आंसू में कुछ प्रोटीन की उच्च सामग्री, जो तनाव के उत्पादों द्वारा जारी होने के कारण हो सकती है। लेकिन, वह कहती हैं, इन परिणामों को हाल ही में दोहराया नहीं गया है, क्योंकि यह एक प्रयोगशाला में यह अध्ययन करना वास्तव में कठिन है।

आयुर्वेद के अनुसार सुबह खाली पेट तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने के हैं जबरदस्त फायदे

आयुर्वेद में कहा गया है कि तांबे का पानी शरीर के कई दोषों को शांत करता है। साथ ही इस पानी से शरीर के जहरीले तत्व बाहर निकाले जा सकते हैं। आपके बता दें कि तांबे के बर्तन में संग्रहित पानी को ताम्रजल के नाम से जाना जाता है। तांबे के बर्तन में रखा पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है। यह सभी प्रकार के बैक्टीरिया को खत्म कर देता है साथ ही साथ जान लें कि इस पानी को कम से कम कम 8 घंटे तक तांबे के बर्तन में रखा हुआ होना चाहिए।

आइए जानते हैं तांबे में रखे पानी पीनें के लाभ

-डायरिया, पीलिया, डिसेंट्री जैसी बीमारी से लड़ने में बेहद मददगार होता है।

-पेट दर्द, गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति को इस समस्या से बहुत जल्दी छुटकारा मिल जाता है साथ ही इस पानी को पीते रहने से कभी कोई समस्या उत्पन्न नहीं होती।

-तांबे में रखे पानी को पीने से कैंसर की समस्या से लड़ने की क्षमता में वृद्धि होती है क्योंकि इसमें कैंसर विरोधी तत्व मौजूद होते है।

-शरीर के घाव आन्तरिक हो या बाहरी हो वह जल्दी ही भरने में मदद करने काफी फायदेमंद साबित होता है।

-तांबा प्यूरीफायर का काम करता है। ये पानी की अशुद्धियों को दूर कर देता है।

-इसे पीने से पेट की आंतों की गंदगी साफ होती है। आंतों की गंदगी साफ होने से पूरे शरीर पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

-तांबा रक्त शुद्धि का काम करता है। इसके कारण त्वचा संबंधी समस्याएं भी ठीक होती हैं।

-कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मददगार है।

-शरीर की आंतरिक सफाई के लिए तांबे का पानी कारगर होता है। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ रखता है और किसी भी प्रकार के इंफेक्शन से निपटने में तांबे के बर्तन में रखा पानी लाभप्रद होता है।

यहां हैं वे सबसे जरूरी बातें,जो वर्कआउट रूटीन को नियमित बनाए रखने में करेंगी आपकी मदद

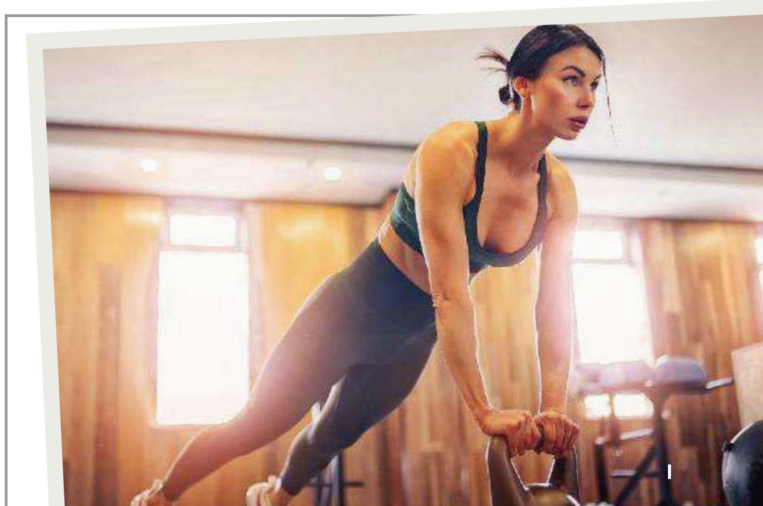

बहुत जोर-शोर से एक्सरसाइज शुरू करने के बावजूद क्या आपकी वेट लॉस जर्नी भी आधे रास्ते तक भी नहीं पहुंच पाती? तो विशेषज्ञों की बताई ये जरूरी बातें आपको जान लेनी चाहिए। खुद को फिट रखने के लिए वर्कआउट करना बहुत जरूरी है। पर इससे भी ज्यादा जरूरी है वर्कआउट रूटीन को बनाए रखना। इसके लिए आपको शारीरिक से ज्यादा मानसिक अनुशासन की जरूरत है। हम बता रहे हैं वे जरूरी चीजें जो आपके वर्कआउट रूटीन को मेंटेन रखेंगी और आप हमेशा खुद को फिट बनाए रखेंगी। नई जीवनशैली अपनाने का मतलब केवल अपनी शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक आदतों को बदलना भी है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि जब आप वर्कआउट शुरू करने का विचार बना रही हैं, तो आपको कुछ चीजों का ध्यान रखने की जरूरत है। जिससे कि यह आपके लिए अधिक प्रभावी और कम जोखिमों भरा होगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप एक्सरसाइज की शुरुआत कैसे कर सकती हैं और कैसे इस अनुशासन को बनाए रख सकती हैं।

1. मानसिकता-फिटनेस विशेषज्ञ केटलिन डेल्नी के अनुसार मानसिकता में थोड़ा सा बदलाव जीवन को बदलने की ताकत रखता है। आपको बस इसकी आवश्यकता है

अपने बारे में जानें- एक फिटनेस मैनेजर के रूप में वह कहती हैं, यदि आप मेरे साथ जिम में चलते हैं और मुझसे पूछते हैं कि व्यायाम कैसे शुरु करते हैं, तो मैं आपको अपने ट्रैक पर ही रोक देती और आपको दूसरे सवाल के साथ जवाब देती- आप एक्सरसाइज क्यों करना चाहती हैं? असल में व्यवहार में परिवर्तन एक भावनात्मक चीज है। ये वो भावनाएं हैं जो आपको आपके लक्ष्य तक पहुंचाएंगी। आपको यह जानने की आवश्यकता है कि आप जो कर रहीं हैं वह क्यों कर रहीं हैं। सिर्फ यह जानना कि आपको क्या करना है, आपको कभी भी उस क्षमता तक पहुंचने में मदद नहीं करेगा, जिसके आप योग्य हैं।

2. स्मार्ट गोल बनाएं-केटलिन डेल्नी के अनुसार यह एक रोमांचक क्षण है। आप सपने देखते हैं कि आप अपनी आदतों से क्या चाहती हैं। आप अपने कौन से सपने या लक्ष्य तक पहुंचना चाहती हैं? एक लक्ष्य लिखने से आपको उन्हें प्राप्त करने की संभावना 42% अधिक हो जाएगी। लेकिन एक और पेशेवर रहस्य है जिसके बारे में आपके लिए जानना महत्वपूर्ण हैं, वह है स्मार्ट गोल की शक्ति।एक स्मार्ट गोल आपके बड़े लक्ष्य को कार्रवाई करने योग्य चरणों में तोड़ने का एक तरीका है। जो आपको उस लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करता है! उदाहरण के लिए, वजन कम करने के इच्छुक व्यक्ति का लक्ष्य को स्मार्ट प्लान में बदलना इस तरह होगा स्पेसिफिक मैं 40 पाउंड शरीर की चर्बी कम करना चाहती हूं।

त्वचा और बालों की समस्याओं से निजात दिलाने में मदद करेंगे केले के छिलके, जानिए कैसे करना है इस्तेमाल

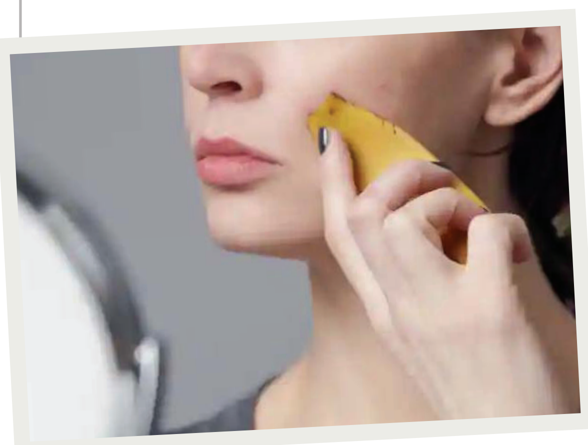

केले के छिलकों को फेंके नहीं, इसके बजाए इनका उपयोग अपनी त्वचा और बालों की देखभाल के लिए करें। यह केवल अच्छा दिखने के बारे में नहीं है, बल्कि अच्छा महसूस करने के बारे में भी है। आप अपनी त्वचा और बालों के बारे में अच्छा महसूस कर सकती हैं, जब वे ठीक से पोषित हों। इसलिए, यदि आप उन लोगों में से एक हैं जो घरेलू हैक्स और प्राकृतिक उपचार पसंद करती हैं, तो हमारे पास आपके लिए एक सरल हैक है, जो आपकी त्वचा और बालों की एक ही समय में मदद करेगा। लेडीज, यह आपको सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन केले के छिलके की गुडनेस को आपको लाभ पहुंचाने का मौका दें। आप सोच रही होंगी कि यह आपकी कैसे मदद कर सकता है, घबराएं नहीं, हम पर भरोसा करें, जब आपको केले के छिलके के फायदों के बारे में पता चलेगा, तो आप इसे कभी नहीं फेंकेंगी। आइए जानते हैं कि केले के छिलके आपकी त्वचा के लिए कैसे फायदेमंद हैं। हम हमेशा इस बात की शिकायत करते हैं कि मृत त्वचा हमें उम्र में दोगुना कैसे बना देती है और कैसे मुंहासे आपके मामले को बदतर बना रहे हैं। लेकिन अगर आपके पास घर पर केले हैं, तो आप उनका लाभ ले सकती हैं। साथ ही, आप उनके छिलके का उपयोग उस मृत त्वचा को हटाने के लिए कर सकते हैं।

दादू मेडिकल सेंटर की संस्थापक और अध्यक्ष, प्रसिद्ध त्वचा विशेषज्ञ डॉ. निवेदिता दादू शेयर करती हैं कि केले के छिलके कैसे फायदेमंद हैं: केले एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर के रूप में कार्य करते हैं, जो त्वचा की सतह पर अतिरिक्त सीबम को बंद करने में मदद करता है।यह पोटेशियम और नमी में समृद्ध है, जो शुष्क त्वचा को हाइड्रेट करने और इसे नरम और कोमल बनाने में मदद करता है।केले में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो त्वचा पर महीन रेखाओं और झुर्रियों की उपस्थिति को रोकते हैं। केले को कई पोषक तत्वों जैसे कि विटामिन ए, जिंक और मैंगनीज से भरपूर होते हैं, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी होते हैं। केले के छिलके को चेहरे पर रगड़ने से मुंहासों के इलाज में मदद मिलती है।केले अच्छी तरह से पोषित त्वचा का रहस्य हैं। यह शुष्क त्वचा को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करता है, जिससे आपको त्वचा नरम और कोमल हो जाती है।

यह केले के छिलके के साथ बालों की देखभाल का समय है-केले के छिलके सिर्फ आपकी त्वचा के लिए ही अच्छे नहीं होते हैं, वे आपके स्कैल्प और ट्रेसिस के लिए भी फायदेमंद हैं। कैसे? चलिए हम बताते हैं। केले स्कैल्प में नमी जोड़ते हैं, ड्रायनेस को कम करते हैं और स्कैल्प को सूक्ष्म अपराधियों से छुटकारा पाने में मदद करते हैं जो रूसी का कारण बनते हैं।यह घुंघराले बालों को स्मूद बनाने में मदद करता है, क्योंकि इसमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है।

आपका स्वीट टूथ कहीं आपकी स्किन को उम्र से पहले बूढ़ा तो नहीं बना रहा?

थोड़ा-बहुत मीठा हम सभी को पसंद होता है और इतनी मिठास हमें फलों से मिल जाती है। पर जब आप मीठे के लिए आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती हैं, तो इसका खामियाजा आपकी सेहत को भुगतना पड़ सकता है।अधिक मात्रा में चीनी का सेवन न केवल आपकी सेहत के लिए, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी उतना ही हानिकारक होता है। यह केवल आपके चेहरे की त्वचा नहीं, बल्कि शरीर के सभी अंगों की त्वचा को प्रभावित करता है। स्वस्थ शरीर और त्वचा के लिए एक सही खानपान बहुत जरूरी है। साथ ही उचित खान-पान के बीच संतुलन बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। ठीक इसी प्रकार अपनी डाइट में जितना हो सके उतना कम शुगर लें। जरूरत से ज्यादा मिठास आपकी त्वचा को इन तरीकों से प्रभावित कर सकती है। हम सभी जानते हैं कि ज्यादा मीठा खाना डायबिटीज का कारण बन सकता है। वहीं डायबिटीज से पीड़ित व्यक्तियों की त्वचा काफी ज्यादा संवेदनशील हो जाती है। साथ ही अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करने वाले व्यक्तियों की हीलिंग पावर भी काफी कम होती है। तो चलिए आज हेल्थशॉट्स के साथ जानें अधिक मात्रा में चीनी का सेवन त्वचा की सेहत को किस तरह प्रभावित कर सकता है।

1. एक्ने ब्रेकआउट-अधिक मात्रा में चीनी के सेवन से मुहांसो का खतरा बढ़ सकता है। जैसा कि हम जानते हैं, शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ता स्तर सूजन को ट्रिगर करता हैं जिसकी वजह से पिंपल्स, ज़िट्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स हो सकते हैं। इसके साथ ही ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ने से बॉडी अधिक मात्रा में सीबम (तेल) बनाने लगता है, वहीं इसका प्रभाव त्वचा पर भी नजर आता है और एक्ने ब्रेकआउट जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं।

2. प्री मेच्योर एजिंग-त्वचा पर चीनी के हानिकारक प्रभावों में से एक गंभीर समस्या एजिंग की है। अधिक मात्रा में शुगर का सेवन आपकी त्वचा को समय से पहले बूढ़ा बना देता है। चीनी आपकी त्वचा को आकार, संरचना और दृढ़ता प्रदान करने वाले कोलेजन और इलास्टिन को तोड़ देती हैं। इसकी वजह से आपकी त्वचा पर एजिंग साइन जैसे की झुर्रीदार, फाइनलाइन, ड्राइनेस, पिगमेंटेशन इत्यादि समय से पहले नजर आने लगते हैं।

3. इन्फ्लेमेशन का कारण बनता है-अधिक मात्रा में चीनी से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन शरीर में इन्फ्लेमेटरी रिस्पांस को तेजी से ट्रिगर करता है। जिसकी वजह से त्वचा से जुड़ी इन्फ्लेमेटरी समस्याएं जैसे कि सोरायसिस और एग्जिमा होने का खतरा बढ़ जाता है।

4. ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है-सीबम एक प्रकार का ऑयल है जो हमारे शरीर में प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। यह हमारी त्वचा को मॉइश्चराइज रहने में मदद करता है। ऐसे में जरूरत से ज्यादा शुगर का सेवन शरीर में सीबम के उत्पादन को बढ़ा देता है, जिसकी वजह से त्वचा में जरूरत से ज्यादा ऑयल प्रोड्यूस होता है, और त्वचा ऑयली हो जाती है। इस वजह से यह एक्ने, पिम्पल, इत्यादि जैसी समस्याओं का कारण बनता है।

स्किन केयर के लिए इन चीजों को हमेशा याद रखें

1. कम से कम मात्रा में चीनी का सेवन करें-पूरी तरह से चीनी से परहेज रखना मुश्किल है, परंतु इसे कंट्रोल करना नहीं। अपने खाद्य पदार्थों में जितना हो सके उतना कम चीनी लेने की कोशिश करें। इसके लिए सबसे जरूरी है ऐडेड शुगर वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाए रखना। वहीं जितना हो सके उतना नेचुरल शुगर लेने का प्रयास करें जैसे कि फल, शहद, खजूर और गुड़।

2. पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-खुद को अंदर से हाइड्रेटेड रखने की कोशिश करें। यह आपकी त्वचा कि सेहत को बनाए रखने में मदद करेगा। पानी कोलेजन और इलास्टिन प्रोड्यूस करने में मदद करता है। इसलिए उचित मात्रा में पानी पिएं, साथ ही वॉटर रिच फूड्स जैसे कि खीरा, टमाटर और तारबुज को अपनी डाइट में शामिल करें।

बजावा सुरों का स्कूल में अधिकारियों ने देखा विद्यार्थियों का हुनर : स्मार्ट टीवी और डिजिटल लाइब्रेरी की मिली सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बजावा सुरों का में बुधवार को शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने दौरा कर विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नवाचारी मॉडल्स की सराहना की गई और विद्यालय के विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं भी हुईं। चिड़ावा/पिलानी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बजावा सुरों का में बुधवार को शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने दौरा कर विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नवाचारी मॉडल्स की सराहना की गई और विद्यालय के विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं भी हुईं।

निरीक्षण के दौरान अतिथियों ने BITSA PARC पिलानी के सहयोग से संचालित अटल टिंकरिंग लैब (ॠ) का अवलोकन किया। यहाँ कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी मॉडल्स का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर अधिकारी दंग रह गए। इसके साथ ही भामाशाहों के सहयोग से तैयार सुसज्जित आईसीटी लैब और खेल मैदान का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। एसीबीईओ सुरेश कुमार पायल ने विद्यालय की व्यवस्थाओं और अनुशासन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पूर्व में उनके द्वारा लैब्स की सुरक्षा के लिए दो स्लाइडिंग गेट बनवाए गए थे। विद्यालय की प्रगति से प्रभावित होकर उन्होंने कैटेलिस्ट समूह (संजय राव, ह्रुस) के सौजन्य से विद्यालय को एक स्मार्ट टीवी भेंट करने तथा आगामी सत्र 2027-28 तक विद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी शुरू करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की ओर से सुरेश कुमार पायल (ACBEO चिड़ावा), प्रदीप मोदी (प्राचार्य, अड़ुकिया अंग्रेजी माध्यम स्कूल, चिड़ावा), महेन्द्र वर्मा (प्राचार्य, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, मालियों की बगीची) राजवीर सिंह डूडी (प्राचार्य, राउमावि जखोड़ा), अमित ढाका (व्याख्याता, राउमावि बसावता) इनके साथ ही श्रीराम जांगिड़, कर्मवीर थाकन, देवेन खण्डेलवाल और विजय सिंह भी उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे दौरों से ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें नवाचार की प्रेरणा मिलती है।

माहेश्वरी महिला संगठन ने सेवा सदन स्कूल के बच्चों को स्टेशनरी व खाद्य सामग्री की वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन सीकर जिला शाखा की ओर से गुरुवार को सेवा सदन स्कूल में जरूरतमंद बच्चों के लिए स्टेशनरी एवं खाद्य सामग्री वितरण का सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए डॉ बिमला मुंदड़ा ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी महिला संगठन ने बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित की तथा बच्चों के साथ खेल, मनोरंजक गतिविधियाँ एवं क्विज़ का आयोजन किया गया, जिससे पूरे परिसर में उल्लासपूर्ण वातावरण बना रहा और बच्चों के चेहरे खिल उठे।कार्यक्रम में सीकर से अध्यक्ष श्रीमती सुमन बजाज, नवीता बियानी, डॉ. बिमला मूंदड़ा, निर्मला चेचाणी, सोनू सोमानी, सविता लड्ढा, रेखा मुंदड़ा, रेखा सोमानी, रिंकू काबरा, संतोष काबरा, रेनू चितलंगिया, गरिमा शारदा, उमा बियानी, मंजू बियानी, जयश्री बियानी, रेनू बियानी, सुनीता मालपानी, गीता साबू सहित अनेक सदस्याओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ मुंदड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के समापन के बाद एलीफेंट ट्रीट में आयोजित अल्पाहार मीटिंग के दौरान समाज में व्याप्त कुरीतियों पर गंभीर चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए सार्थक सुझाव प्रस्तुत किए गए। साथ ही आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी निर्धारित की गई। उन्होंने बताया कि यह सेवा कार्यक्रम समाज के प्रति संवेदनशीलता एवं सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पद्म पुरस्कार 2027: विशिष्ट प्रतिभाओं के सम्मान के लिए मांगे ऑनलाइन आवेदन

केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वीकार होंगे नामांकन : डीसी अनुपमा अंजली

उत्कृष्ट कार्य करने वाले गुमनाम नायकों को मिलेगी पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर दिए जाने वाले देश के नागरिक सम्मान पद्म पुरस्कारों (पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री) के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि कला, साहित्य, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों को इन पुरस्कारों से नवाजा जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन पुरस्कारों के लिए आवेदन की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो चुकी है और इच्छुक पात्र व्यक्ति या उनके नाम की सिफारिश करने वाली संस्थाएं 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से अपना विवरण भेज सकते हैं।

उपायुक्त ने कहा कि समाज में अक्सर ऐसे कई प्रतिभावान व्यक्ति होते हैं जो निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं लेकिन प्रचार-प्रसार से दूर रहने के कारण उनकी पहचान नहीं हो पाती। सरकार का लक्ष्य ऐसे ही गुमनाम नायकों, विशेषकर महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा दिव्यांगजनों में छिपी प्रतिभाओं को ढूंढकर उन्हें राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित करना है। उन्होंने जिला के नागरिकों और सामाजिक संस्थाओं से अपील की है कि वे अपने आसपास मौजूद ऐसे समर्पित व्यक्तियों के नाम नामांकित करें जिनके जीवन भर की उपलब्धियां और जनसेवा का जज्बा समाज के लिए प्रेरणादायक हो। नामांकन की प्रक्रिया के बारे में बताया कि अब आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए भारत सरकार ने विशेष तौर पर राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल httpsÑ//awards.gov.in तैयार किया है। इस पोर्टल पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक विवरण और अधिकतम 800 शब्दों का एक संक्षिप्त प्रशस्ति पत्र (साइटेशन) अपलोड करना अनिवार्य है, जिसमें संबंधित व्यक्ति की विशिष्ट उपलब्धियों का स्पष्ट वर्णन हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सभी सरकारी कर्मचारी इन पुरस्कारों के लिए पात्र नहीं हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

सिंघानिया विश्वविद्यालय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में 'एआई फॉर डिजिटल रेडीनेस एंड एडवांसमेंट' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नवीनतम विकासों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यशाला में लगभग 70 छात्र और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। ADiRA भारत में एआई-रेडी कार्यबल तैयार करने की एक पहल है, जिसे एशिया वेंचर फिलैंथ्रोपी नेटवर्क (AVPN) द्वारा Google.org और एशियाई विकास बैंक के सहयोग से समर्थन प्राप्त है। संसाधन व्यक्ति डॉ. निमेष कपूर, वैज्ञानिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने इस विषय और शिक्षा के क्षेत्र में, विशेषकर अनुसंधान और मीडिया उद्देश्यों के लिए इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नए एआई टूल्स का परिचय दिया, जो यदि सही ढंग से लागू किए जाएं तो शिक्षण को और मूल्यवान बना सकते हैं। अपने स्वागत भाषण में, अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि एआई हमारी व्यवस्था का अभिन्न अंग बन गया है। उन्होंने कहा, 'हम एआई के बिना नहीं रह सकते, उसी तरह एआई भी हम मनुष्यों के बिना जीवित नहीं रह सकता।' उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में उन्नत शिक्षण व्यवस्था के लिए दो स्मार्ट स्क्रीन का उद्घाटन भी किया।

प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। एसजेएमसी के डीन डॉ. मनोज वर्गीस ने सत्र का संचालन किया और एआई की मदद से सीखने-सिखाने की नई संस्कृति को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। ADiRA माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है – 'हम जनहित के लिए एआई एप्लिकेशन विकसित कर रहे हैं। हमारे पास दुनिया के सबसे बड़े एआई प्रतिभा पूलों में से एक है। भारत अपने स्वयं के लार्ज लैंग्वेज मॉडल बना रहा है और 2026 में ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है।' कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षण संकाय और छात्रों को एआई के मूल सिद्धांतों और अनुप्रयोगों में प्रशिक्षित करना, आम गलतफहमियों को दूर करना और एआई के जिम्मेदार व प्रभावशाली उपयोग को बढ़ावा देना था। ADiRA को छात्रों और संकाय सदस्यों को व्यावहारिक, हैंड्स-ऑन एआई कौशल और दृष्टिकोण से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उत्पादकता, दक्षता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाते हैं।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद ने उच्च शिक्षा के लिए 2.22 लाख रुपए की ब्याज मुक्त ऋण सहायता दी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद ने होनहार जरूरतमंद छात्र-छात्राओं और युवाओं को रोजगार परक पाठ्यक्रम के लिए ब्याज मुक्त ऋण सहायता देने का एक अभिनव प्रकल्प प्रारम्भ किया है। परिषद के सचिव निशान्त गोयनका ने बताया कि इस प्रकल्प के अन्तर्गत गत वर्ष एक स्थानीय जरूरतमंद मेधावी छात्र को 5 लाख 15 हजार रुपए का ब्याज मुक्त ऋण दिया गया था। यह छात्र लोनावाला (महाराष्ट्र) की द ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी में एक वर्षीय डिप्लोमा इन नौटिकल साइंस (डीएनएस) का अध्ययन कर रहा है। इसी क्रम में स्थानीय सदाबहार मोहल्ला निवासी एक और छात्र को 2 लाख 22 हजार 503 रुपए की ब्याज मुक्त ऋण राशि प्रदान की गई है।

यह छात्र गुजरात के मेहसाणा में बीएससी नौटिकल साइंस के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम का अध्ययन करेगा। परिषद के संरक्षक राजकुमार पारीक, सचिव निशान्त गोयनका तथा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बूबना ने बुधवार शाम ऋण अनुबंध प्रपत्र उक्त छात्र की माताजी को प्रदान किये इस अवसर पर गौरव खेतान भी उपस्थित थे।ऋण अनुबंध प्रपत्र के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाने तथा एक वर्ष का जोब पूरा करने के बाद उक्त छात्र तीन वर्ष में मासिक किस्तों के जरिए ऋण राशि परिषद को लौटाएगा। छात्र के माता-पिता ने इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद का आभार जताया है।

खेतड़ी की साख पर संकटः अस्तित्व बचाने को जुटे लोग, दिल्ली तक पहुंची गूंज

चिमनी बचाओ अभियानः सांसद ओला ने केंद्रीय खान मंत्री को भेजी चिट्ठी, धरोहर घोषित करने की मांग

चिमनी को संरक्षित कर औद्योगिक धरोहर घोषित किया जाए, यह हमारे क्षेत्र की पहचान है- डी पी सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

राजस्थान के 'तांबा नगर' के नाम से विख्यात खेतड़ी की पहचान अब खतरे में है। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (॥ष्टस्) की ऐतिहासिक 114 मीटर ऊंची स्मेल्टर चिमनी को ढहाने के प्रस्ताव के खिलाफ समूचा क्षेत्र लामबंद हो गया है। 'चिमनी बचाओ अभियान' के तहत अब यह लड़ाई गलियों से निकलकर सत्ता के गलियारों तक पहुंच गई है। क्षेत्र की जनभावनाओं को देखते हुए झुंझुनूं सांसद बृजेन्द्र ओला ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने केंद्रीय खान मंत्री को पत्र लिखकर इस चिमनी को ढहाने पर रोक लगाने और इसे 'औद्योगिक धरोहर' घोषित करने की पुरजोर पैरवी की है।

गौरवशाली अतीत की अंतिम निशानी

वर्ष 1967 में जब देश तांबा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रहा था, तब खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स की नींव रखी गई थी। 1970 के दशक में बनी यह विशालकाय चिमनी दशकों तक क्षेत्र की आर्थिक उन्नति का केंद्र रही। आज जब कॉम्प्लेक्स की कई इकाइयां बंद हो चुकी हैं और 'मिनी चंडीगढ़' कही जाने वाली टाउनशिप वीरानी की ओर है, तब

यह चिमनी यहाँ के गौरवशाली इतिहास की आखिरी गवाह बनकर खड़ी है।

प्रतिनिधिमंडल ने जताया विरोध

खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सांसद ओला को ज्ञापन सौंपकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया। प्रधान ने कहा कि यह केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामूहिक स्मृतियों का हिस्सा है। इसे तोड़ना इतिहास को मिटाने जैसा होगा।

आंदोलन की मुख्य बातेंः

ऐतिहासिक महत्वः 114 मीटर ऊंची यह चिमनी दशकों तक एशिया के बड़े स्मेल्टरों में शुमार थी।

एक्सपर्ट व्यूः पर्यटन से संवर सकती है सूरत

अभियान से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार इसे संरक्षित कर 'इंडस्ट्रियल टूरिज्म' के रूप में विकसित करे, तो यह क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार का नया जरिया बन सकता है।

सांसद की पहलः बृजेन्द्र ओला ने केंद्र सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है।

जनभावनाः ग्रामीणों का कहना है कि विरासत को नष्ट करने के बजाय उसका जीर्णोद्धार किया जाए।

ये रहे उपस्थितः

इस दौरान चिमनी बचाओ अभियान के संयोजक रमेश पांडे, नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना अध्यक्ष डी पी सैनी, एससी प्रकोष्ठ बुहाना अध्यक्ष बाबूलाल कालोडिया, प्रभारी चुनीलाल चनेजा, बिलवा सरपंच शंकर बिलवा, रणजीत, राजू, विक्रम, विजय सहित भारी संख्या में प्रबुद्धजन और युवा मौजूद रहे।

खेतड़ी में सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का अवसर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल), खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) योजना के अंतर्गत मां शारदा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, खेतड़ी में एक महत्वपूर्ण 'टेलरिंग प्रोजेक्ट' का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस परियोजना का क्रियान्वयन रामकृष्ण मिशन के सहयोग से किया गया।क्षइस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। परियोजना के अंतर्गत कुल 60 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया, जिससे प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी अपने कौशल का उपयोग कर स्वयं का कार्य प्रारंभ कर सकें या पारिवारिक आय में योगदान दे सकें।

इस योजना से न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा मिला है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तिकरण भी बढ़ा है। इससे अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त कर सिलाई मशीन प्राप्त करने वाली महिलाओं ने इस पहल के लिए एचसीएल एवं केसीसी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की योजनाएं उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहने चाहिए। एचसीएल की यह पहल क्षेत्र में सतत सामुदायिक विकास, महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

ऋषिकुल स्कूल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में पर्यावरण संरक्षण व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में पृथ्वी के सामने खड़ी गंभीर चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, जैव विविधता का ह्रास, वनों की कटाई एवं जल संकट के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।इस अवसर पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पार्थ हाउस ने प्रथम स्थान, ओजस हाउस ने द्वितीय स्थान तथा तेजस हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी का संचालन अंकिता शर्मा, मधु मिश्रा एवं ज्योति ठाकुर ने किया। जबकि भाषण प्रतियोगिता में छवि कुमावत व कैथरीन ने प्रथम स्थान, अंशिका शर्मा व अनिका मोदी ने द्वितीय स्थान तथा वैभव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्काउट गाइड प्रभारी बनवारी लाल मिल के सानिध्य में स्काउट गाइड विद्यार्थियों द्वारा बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पर्यावरण के साथ जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया गया। संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने विद्यार्थियों को जैविक खाद बनाना सिखाते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का महत्व समझाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता एवं भाषण के माध्यम से पृथ्वी को सुरक्षित रखने के अपने विचार साझा किए तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न पर्यावरण संरक्षण योजनाओं की जानकारी भी दी गई। संचालन प्रियंका पारीक ने किया।

मानसिक रूप से कमजोर महिला को परिजनों से मिलाया, संयुक्त प्रयासों से हुआ पुनर्मिलन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

पुलिस थाना बुहाना एवं श्री श्याम मानव सेवा संस्थान के संयुक्त प्रयासों से एक मानसिक रूप से कमजोर महिला को उसके परिजनों से सकुशल मिलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला शाम के समय अपने पति से बिछड़ गई थी, जिसके बाद वह भटकती हुई मिली। पुलिस थाना बुहाना की टीम ने तत्परता दिखाते हुए महिला को सुरक्षित संरक्षण में लिया। इस दौरान श्रीमान रामेश्वर लाल के नेतृत्व में पुलिसकर्मी नरेश कुमार, राकेश कुमार एवं विक्रम ने अहम भूमिका निभाई। इसके बाद महिला को सेवा एवं देखभाल के लिए श्री श्याम मानव सेवा संस्थान को सुपुर्द किया गया। संस्थान द्वारा महिला की देखभाल के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा की गई, जिससे परिजनों तक सूचना पहुँची। संयुक्त प्रयासों एवं बाबा श्याम की कृपा से शीघ्र ही महिला की पहचान कैलाश देवी (निवासी–बुहाना, जिला झुंझुनू) के रूप में हुई। बाद में संस्थान परिसर में महिला को उनके पति कैप्टन जगदीश सिंह एवं अन्य परिजनों को सम्मानपूर्वक सुपुर्द किया गया। इस दौरान माहौल भावुक हो उठा। वर्तमान में महिला अपने घर पर सुरक्षित एवं कुशल है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. संदीप कुमार, मैनेजमेंट डायरेक्टर श्रीमती पिंकी सैनी, वार्डन दिनेश यादव एवं राजेश सिंह सहित पुलिसकर्मी व परिजन मौजूद रहे।

फतेहाबाद थाना शहर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः दो आरोपी काबू, चार चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद

अलग-अलग मामलों में कार्रवाई, एक बाइक टोहाना थाना क्षेत्र की भी बरामद

एसपी निकिता खट्टर की मेहनत से पुलिस बल के हौसले बुलंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल चार चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीएसपी श्री कुलबंत सिंह ने बताया कि पहले मामले में पुलिस चौकी बस अड्डा में शिकायतकर्ता राजेंद्र सिंह पुत्र चंदूराम निवासी गांव बोसवाल (ढाणी रूपनगर), तहसील व जिला फतेहाबाद ने शिकायत दी थी कि 11 अप्रैल 2026 को वह अपनी मोटरसाइकिल को पुराने बस अड्डा स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम के पास खड़ी कर अपने कार्य हेतु चला गया था। कुछ समय बाद लौटने पर उसकी मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 172 दिनांक 22.04.2026 धारा 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी राहुल पुत्र गुलज़ारी निवासी भुना को काबू कर उसके कब्जे से दो चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इसी प्रकार दूसरे मामले में पुलिस चौकी गुरुनानक पुरा में शिकायतकर्ता विकास पुत्र चीनी पुत्र असारु निवासी फुवारा चौक, हांसी रोड, जींद (हरियाणा), हाल निवासी डीएसपी रोड, नजदीक विवेकानंद स्कूल, फतेहाबाद ने शिकायत दी कि 20 अप्रैल 2026 को शीश महल पैलेस, रतिया रोड, फतेहाबाद में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान पार्किंग से उसकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 168 दिनांक 21.04.2026 धारा 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी पवन कुमार पुत्र सेठीराम निवासी बिठमड़ा, जिला हिसार हाल वार्ड नंबर 14, चंदन नगर, भुना को काबू किया। आरोपी के कब्जे से दो चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं, जिनमें से एक मोटरसाइकिल थाना शहर फतेहाबाद क्षेत्र की तथा दूसरी थाना शहर टोहाना क्षेत्र की पाई गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है तथा मामलों में आगामी जांच जारी है। भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहने चाहिए। एचसीएल की यह पहल क्षेत्र में सतत सामुदायिक विकास, महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

टोहाना थाना शहर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अफीम के साथ आरोपी काबू

40.47 ग्राम अफीम बरामद, NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को अफीम सहित काबू करने में सफलता हासिल की है,थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान टोहाना क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति गीता कॉलोनी क्षेत्र में अपने घर के पास अफीम बेचने की फिराक में है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर दबिश दी, जहां एक युवक संदिग्ध अवस्था में मिला। पुलिस टीम को देखकर वह अपने घर में जाने का प्रयास करने लगा, जिस पर उसे काबू कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान बलिन्द्र उर्फ बिन्द्र पुत्र भला निवासी अलीपुरा, जिला जींद, हाल किरायेदार वार्ड नंबर 13, गीता कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से 40.47 ग्राम अफीम बरामद हुई। बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर विधिवत सील किया गया। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 114 दिनांक 22.04.2026

धारा 18(सी), 61, 85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले में आगामी जांच जारी है।

टोहाना के एसडीएम आकाश शर्मा आई ए एस का मार्केट दौरा, प्रतिबंधित पॉलीथीन की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को स्थानीय मार्केट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न दुकानों का जायजा लिया और प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध विभागीय नियमों के अनुसार चालान की प्रक्रिया सुनिश्चित की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम के साथ नगर परिषद के कर्मचारी और संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक टीम ने बाजार का भ्रमण किया और दुकानदारों को मानक संचालन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। टीम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए निर्धारित नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक और व्यवसायी की नैतिक जिम्मेदारी है। पॉलिथीन के उपयोग के संबंध में नियमों का विस्तार करते हुए एसडीएम ने बताया कि सरकार द्वारा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों के अनुसार प्लास्टिक की थैलियों और अन्य प्रतिबंधित सामग्री का भंडारण या वितरण करना पर्यावरणीय मानदंडों के विरुद्ध है। प्रशासन का प्रयास है कि इन नियमों का सुचारू रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए ताकि भविष्य में कचरा प्रबंधन की समस्याओं को कम किया जा सके। मार्केट में की गई इस कार्यवाही के दौरान जिन स्थानों पर प्रतिबंधित पॉलिथीन प्राप्त हुई, वहां नगर परिषद के माध्यम से नियमानुसार चालान किए गए। एसडीएम आकाश शर्मा ने आह्वान किया कि शहर को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के प्रशासनिक प्रयासों में अपना सक्रिय योगदान दें। पॉलीथीन के स्थान पर कपड़े या जूट के थैलों का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस तरह के छोटे बदलाव न केवल प्रकृति के अनुकूल हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होंगे।

महिला और बाल विकास विभाग द्वारा 6वा पोषण पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक मनाया गया-सुपरवाइजर पुजा जांगड़ा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । वार्ड 1 स्थित आंगनबाड़ी सेंटर में पोषण पखवाड़ा मनाया गया ।इस दौरान सुपरवाइजर पूजा जांगड़ा द्वारा पोषण पखवाड़ा के 5 विषयों के बारे में बताया गया ,मातृ एवं शिशु पोषण: स्तनपान और पूरक आहार को बढ़ावा देना।प्रारंभिक उत्तेजना (0-3 वर्ष): जीवन के पहले 1000 दिनों में मस्तिष्क विकास पर विशेष ध्यान। खेल आधारित शिक्षा (3-6 वर्ष): बच्चों के समग्र विकास के लिए खेल-खेल में सीखना।अभिभावक एवं समुदाय: स्क्रीन टाइम कम करना और स्वस्थ वातावरण बनाना।आंगनवाड़ी सुदृढ़ीकरण: सामुदायिक सहयोग और पोषण संबंधी व्यवहारों में सुधार के बारे बताया गया ।आंगनबाड़ी वर्करों ने एक एक करके सभी विषयों के बारे में विस्तृत रूप से महिलाओं को जानकारी दी ।मातृ पोषण से लेकर 6 साल तक के बच्चों के पोषण तथा शिक्षा के बारे में विस्तार से बताया । डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ऑफ रॉकेट लर्निंग रोहतास जी ने खेल खेल में शिक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए टीचिंग लर्निंग मैरिटल के बारे में जानकारी दी। इस दौरान कुलविंदर वर्कर द्वारा महिलाओं को बच्चे का स्क्रीन टाइम कम करने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया तथा बच्चों के साथ घर में बने खिलौने से ही खेलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आंगनबाड़ी वर्कर कुलविंदर सरोज नीलम रानी निर्मल सकीना व हेल्पर मौजूद रही।

टोहाना ब्लॉक स्तरीय पोषण मेले में पौष्टिक आहार पर आधारित रेसिपी प्रतियोगिता आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में गांव बलियावाला में 'पोषण पखवाड़ा' के समापन के अवसर पर पोषण मेला और ब्लॉक स्तरीय रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सुपरवाइजर करमजीत कौर ने की। कार्यक्रम में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को सही पोषण, संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सुपरवाइजर करमजीत कौर ने महिलाओं को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ परिवार और समाज के निर्माण के लिए हमारे दैनिक आहार में पौष्टिक तत्वों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करने से शारीरिक और मानसिक विकास को नई दिशा मिलती है। उन्होंने सभी महिलाओं को अपने-अपने परिवारों में सुपोषण का संदेश आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। पोषण मेले के अंतर्गत आयोजित ब्लॉक स्तरीय रेसिपी प्रतियोगिता में ग्रामीण महिलाओं ने अत्यंत उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता में महिलाओं ने सुलभ और घरेलू सामग्री से तैयार किए गए पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार बनाए। निर्णायक मूल्यांकन के आधार पर, प्रतियोगिता में कविता ने अपने स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन 'चने की बाकली' के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। हेमलता ने 'नमकीन दलिया' बनाकर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि कृष्णा ने अपनी 'पौष्टिक पंजीरी' की बेहतरीन प्रस्तुति के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे अपने घर-परिवार और समाज में पोषण तथा स्वास्थ्य के इस जनहितैषी संदेश को निरंतर आगे बढ़ाएंगी। इस दौरान सुपरवाइजर रचना, पोषण कॉर्डिनेटर नैन्सी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कविता, सीमा और कृष्णा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर यज्ञ को लेकर भूमि पूजन 25 को

साधु संतों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सुबह 11:15 बजे होगा भूमि पूजन

फहराई जाएगी विशाल धर्म ध्वज पताका- सीताराम दास महाराज

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लिए लेकर 25 अप्रैल को प्रातः 11:15 बजे भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित होगा घ आपको बता दे झड़ाया में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ झड़ाया बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा घ यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 अप्रैल को भूमि पूजन के दौरान कई साधु संत व गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोग भूमि पूजन के दौरान उपस्थित रहेंगे घ भावरिया ने हमारे उदयपुरवाटी संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया कि भूमि पूजन के दौरान ही यज्ञ स्थल पर विशाल धर्म ध्वज पताका भी फहराई जाएगी घ झड़ाया बजरंग धाम आश्रम के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज के अनुसार 25 अप्रैल को आयोजित होने वाले भूमि पूजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है घ झड़ाया मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 जून से आयोजित होने वाली यज्ञ को लेकर गांव गांव व ढाणी ढाणी में लोगों को पीले चावल देकर निमंत्रण दिया जा रहा है घ यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने बताया की 17 जून से झड़ाया में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ ऐतिहासिक यज्ञ होगा जिसकी गूंज विदेशो तक सुनाई देगी

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी वैक्सीन जरूरी: डीसी डॉ. विवेक भारती

शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग को तालमेल से अभियान सफल बनाने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने जिला के अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन अवश्य लगवाएं। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है और इसका उद्देश्य बेटियों को गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है। डीसी ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा स्कूल स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि किशोरियों और उनके अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में सही जानकारी दी जाए। इस संबंध में प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक भी की, जिसमें अभियान की प्रगति की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी डा. विवेक भारती ने बताया कि यह टीकाकरण अभियान मुख्य रूप से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए चलाया जा रहा है। यह वैक्सीन एचपीवी के टाइप-16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करती है, जो सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारण माने जाते हैं, साथ ही टाइप-6 और 11 से भी बचाव करती है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से (सर्विक्स) में विकसित होने वाला कैंसर है, जिसका मुख्य कारण एचपीवी संक्रमण है। धूम्रपान, कम उम्र में विवाह व गर्भधारण, बार-बार प्रसव तथा कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली इसके जोखिम को बढ़ाते हैं।

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीकाकरण से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि लाभार्थी किशोरी खाली पेट न हो। साथ ही टीकाकरण से पूर्व अभिभावकों की ओटीपी आधारित या लिखित सहमति लेना अनिवार्य किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूलों में किशोरियों का डाटा तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा किया जाए। पीटीएम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को आमंत्रित कर अभिभावकों और छात्राओं को जागरूक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किशोरियां इस अभियान का लाभ उठा सकें। कीसी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और सर्वाइकल कैंसर की घटनाओं को कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जागरूकता, समय पर जांच और बेहतर उपचार सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

ह्यमहवा में भक्ति और सेवा का संगम

भव्य कलश यात्रा से गूंजा नगर, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा आज करेंगे मां यशोदा वृद्धाश्रम का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड मुख्यालय पर आस्था, उत्साह और सामाजिक सरोकार का अद्भुत संगम इन दिनों देखने को मिल रहा है, जहां मां यशोदा सेवा संस्थान एवं चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित श्रीनाथजी, हनुमान एवं शिव परिवार मूर्तिप्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत निकली भव्य कलश यात्रा ने पूरे नगर को भक्तिमय रंग में रंग दिया। हॉस्पिटल रोड स्थित सीताराम मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा पारंपरिक वेशभूषा में सजे सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया और 'जय श्रीनाथ ', 'जय बजरंगबली' व 'हर हर महादेव' के गगनभेदी जयकारों से वातावरण धर्ममय हो उठा। यात्रा मार्ग को आकर्षक सजावट से सजाया गया था और जगह-जगह सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल तथा धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा, शीतल पेय, जलपान और प्रसाद वितरण कर श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया, जिससे हर गली-चौराहा सेवा और श्रद्धा का केंद्र बन गया। आयोजन में ट्रस्टी प्रहलाद बंसल,पुष्पा देवी बंसल सहित बलराम सत्संग मंडल, अपना घर सेवा समिति, श्याम सखा मंडल और क्षेत्र के अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी व सैकड़ों गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिनकी सहभागिता ने आयोजन को जन-जन का उत्सव बना दिया।

इसी क्रम में आज 24 अप्रैल शुक्रवार को प्रातः 10 बजे मां यशोदा सेवा संस्थान द्वारा पाली रोड महवा पर संचालित वृद्धाश्रम का विधिवत लोकार्पण प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के मुख्य आतिथ्य में होगा, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महवा विधायक राजेंद्र मीणा करेंगे। समारोह में प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र के कई विशिष्टजन भी शामिल होंगे, जिनमें जिला कलेक्टर दौसा, पुलिस अधीक्षक दौसा, रेवाड़ी तथा अन्य अधिकारी व अग्रवाल समाज के पदाधिकारी शामिल रहेंगे। ट्रस्टी प्रहलाद कुमार बंसल ने बताया कि मां यशोदा वृद्धाश्रम का उद्देश्य निराश्रित एवं असहाय बुजुर्गों को सम्मानपूर्वक आश्रय प्रदान करना है, ताकि जीवन के अंतिम पड़ाव पर उन्हें अपनत्व, सुरक्षा और सेवा का स्नेह मिल सके। धार्मिक आयोजन के साथ समाज सेवा का यह संगम क्षेत्र में नई मिसाल बनता नजर आ रहा है, जहां भक्ति केवल मंदिरों तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा तक विस्तारित हो रही है। इस पूरे आयोजन ने एक संदेश भी दिया है कि 'जहां भक्ति में शक्ति है, वहीं सेवा में सच्चा धर्म बसता है ', और जैसे कि कहा गया है 'मंदिरों में ही नहीं, दिलों में भी उजाला चाहिए, भक्ति के साथ इंसानियत का भी उजियाला चाहिए। '

कनीना में उपचुनाव के मद्देनजर शस्त्र जमा कराने के आदेश

कनीना वार्ड-14 व विभिन्न गांवों में सुरक्षा के मद्देनजर धारा 163 लागू

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिले के विभिन्न गांवों और कनीना नगर पालिका के वार्ड नंबर 14 में आगामी 10 मई को होने वाले उपचुनावों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। जिलाधीश अनुपमा अंजली ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जिला की सीमाओं के भीतर आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद ले जाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने तक प्रभावी रहने वाले इन आदेशों के तहत सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों को अपने हथियार संबंधित पुलिस थानों या अधिकृत शस्त्र डीलरों के पास अनिवार्य रूप से जमा कराने होंगे। यह निर्देश विशेष रूप से फतेहपुर, छिथरोली, स्याना, खुडाना, बुडवाल और कनीना वार्ड-14 सहित उन सभी क्षेत्रों के लिए जारी किए गए हैं जहां मतदान होना है। प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, केवल ड्यूटी पर तैनात वर्दीधारी पुलिस, सैन्य व अर्धसैनिक बलों के कर्मियों, बैंक सुरक्षा गार्डों और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अधिकृत खिलाड़ियों को ही नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी।अन्य किसी भी स्थिति में हथियार रखने की आवश्यकता होने पर लाइसेंस धारक जिला प्रशासन द्वारा गठित विशेष स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिलाधीश ने स्पष्ट किया है कि संबंधित थाना प्रबंधक और शस्त्र डीलर जमा किए गए हथियारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होंगे। आदेशों की अवहेलना या उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 तथा अन्य सुसंगत कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कनीना नगरपालिका में तीसरे दिन भी नहीं आया कोई नामांकन

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

नगरपालिका कनीना के वार्ड संख्या 14 में होने वाले उपचुनाव को लेकर जारी नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन भी नामांकन केंद्र पर कोई नामांकन पत्र नहीं आया। चुनाव रिटर्निंग अधिकारी (नगरपालिका कनीना) एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है, परंतु आज शाम तक किसी भी उम्मीदवार द्वारा पर्चा नहीं भरा गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विस्तृत दैनिक रिपोर्ट जिला उपायुक्त तथा राज्य निर्वाचन आयोग, पंचकूला को प्रेषित कर दी गई है।

चंवरा किशोरपुरा में सिलेंडर बलास्ट कांड में उजड़े घर को बसाने फिर आगे आए दानवीर भामाशाह

मीडिया में खबर देख केड छावड़ियों की ढाणी के किसान अपना खुद का काम छोड़ कर पीड़ित परिवार के लिए घर घर से जुटाकर लाए 30 क्विंटल गेहूं ओर नकदी

दुखियारे परिवार को अब बंधी है आस कहा कि रोटी कपड़ा का बंदोबस्त हुआ है तो अब मकान भी बनेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । किशोरपुर के मोरिंडा सड़क पर भैरुं नगर में 4 दिन पहले सिलेंडर बलास्ट से चंवरा निवासी शंकर लाल मेघवाल का घर उजाड़ गया था। यही नहीं इनके घर पर बेजुबान मवेशियां भी आग में दफन हो गई थी । लगातार उपखंड स्तर के अधिकारियों कर्मचारियों एवं गैस एजेंसी की टीम ने महज कागजी कार्यवाही की खानापूर्ति आपूर्ति के अलावा ज्यादा कुछ नही किया। घटना के चौथे दिन इस उजड़े परिवार का घर बसाने कई भामाशाह फरिस्ते के रूप में फिर आगे आए हैं ।जिनमे केड छावड़ियों की ढाणी से विक्रम सिंह शेखावत की टीम ने 11 हजार रुपए नकद और घर घर जाकर 30 किवंटल गैंहू की बोरी जुटाकर पीड़ित परिवार के घर ट्रेक्टर ट्राली भर कर पहूंचाया है। मेघवंशीय समाज चेतना संस्थान झुंझुनूं का प्रतिनिधि मण्डल पीड़ित परिवार से मिलकर उनकी पीड़ा जानी,संस्थान के महासचिव मदनलाल गुडेसर,संस्थान के संयोजक रामनिवास भूरिया,संरक्षक प्रोफेसर जयपाल सिंह सरोवा,दलीप कांटीवाल ने पीड़ित परिवार की 6 हजार रुपए की नगद राशि प्रदान की है । युवा नेता रविंद्र सिंह पोंख भी आगे आकर पीड़ित परिवार के लिए लग-भग 50 हजार रूपए की तमाम राशन सामग्री की पिकअप लेकर पहुंचे। तथा चंवरा कारोबारी पंकज गुप्ता ने लग भग 85000 रुपए देकर की थी शुरुआत।

धार्मिक कार्यों में योगदान देना पुण्य कर्म : संत बलदेवदास महाराज

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

श्री कृष्ण गोशाला अजीतगढ के बालाजी मंदिर का जीर्णोद्वार, मूर्ति स्थापना एवं अनुष्ठान का आयोजन

सुमेर मीणा । स्थानीय श्री कृष्ण गोशाला परिसर स्थित बालाजी मंदिर जीर्णोद्वार गौसेवक जगदीश प्रसाद सैनी के द्वारा करने के बाद गुरुवार को काला कोटा धाम संत बलदेव दास महाराज के सानिध्य में विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार करके विधिवत मूर्तियों की स्थापना करवाई। इस दौरान दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का हवन के बाद पूर्णाहुति की गई। इस मौके पर संत बलदेवदास महाराज ने भक्तों को आशीर्वचन के दौरान कहा कि धार्मिक कार्यों में योगदान देना पुण्य का कर्म है, उन्होंने भक्तों से ईश्वरीय भक्ति का मार्ग आत्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा संचार के लिए उपयुक्त बताते हुए इसे नियमित जीवन में उतारने का संदेश दिया। इससे पूर्व बुधवार सुबह बालाजी मंदिर में रामायण पाठ शुरू किए गए, गुरुवार सुबह 12.15 बजे विधिवत समापन के बाद संत बलदेव दास महाराज के सानिध्य में मूर्ति स्थापना, हवन एवं पंगत प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गौसेवक जगदीश प्रसाद सैनी के नेतृत्व में संतों एवं आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया गया। गोशाला प्रबन्धन कार्यकारिणी अध्यक्ष चैतन्य मीणा ने बताया कि गोशाला परिसर में दशकों पुराना बालाजी का छोटा मंदिर जर्जर हो गया था, जिसका जगदीश प्रसाद सैनी द्वारा जीर्णोद्वार करवाकर मूर्ति को नवीन मंदिर में विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत करवाया गया। इस दौरान गोशाला प्रबंधन अध्यक्ष चैतन्य मीणा, व्यवस्थापक महेश दीवान, कोषाध्यक्ष मोहन लाल पारीक, पूर्व व्यवस्थापक रामकिशोर कारीगर, महेश रामावत, पवन कुमावत आदि ने संत बलदेव दास महाराज का स्वागत किया तथा गोशाला के बालाजी मंदिर जीर्णोद्वार करवाने के कार्य के लिए जगदीश प्रसाद सैनी एवं परिजनों का सम्मान किया गया। इस दौरान लालचंद जांगिड़(मऊ), गोपाल कारीगर, वैद्य श्रीनिधि, रामकिशोर सैनी, गोपाल बंसल, सीताराम मित्तल, दिनेश भादुका, रोशन लाल सैनी, मनोज मीणा, भरत शर्मा, दिनेश लूनाका समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

-भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई। पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई पर हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांक ने सवाल उठाए थे। हरीश चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में रखना निंदनीय है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे असहमति की आवाज दबाने और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना... 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिय जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा। वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं। नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है। इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है। मार्च में केंद्रीय वन्यजीव विशेषज्ञ ने दुमका और गिरिडीह के प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया है। यहां साल के वृक्ष लगाने और बड़े चट्टानों को स्थाना करने की सलाह विशेषज्ञ ने दी है।

लुधियाना के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना के स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। फिलहाल चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल जारी होने के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के ग्रुप में जानकारी शेयर कर पुलिस प्रशासन को सूचित किया है। स्प्रिंग डेल स्कूल ने बच्चों की छुट्टी कर दी। फिलहाल स्कूल में पुलिस की ओर से चैकिंग चल रही है। इसके पहले 10 मार्च को लुधियाना के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इस बात से हड़कंप मच गया था। सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी।

जयपुर में बिजली के बॉक्स बनाने की फैक्ट्री में आग.... महिला मजदूर जिंदा जली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री में फायर सेफ्टी उपकरण भी नहीं थे। हादसा सुदर्शनपुरा इलाके में हुआ। बिजली इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री जेएमडी एंटरप्राइजेज के बेसमेंट में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में ब्लास्ट भी हुआ, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 7 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गोमा देवी (47) निवासी यूपी की जलने से मौत हो गई। दो मजदूर अभिषेक (30) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी 22 गोदाम, मनोज मालाकर (42) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को एसएमएस हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। यूनिट मालिक शशांक कटियार है। फैक्ट्री में जहां हादसा हुआ, वहां बिजली के उपकरण जैसे फैन बॉक्स, कंशिल्ड बॉक्स बनाए जाते थे। इसके लिए बेसमेंट में भट्टी जलाकर लोहे की चद्दर को काटकर कंशिल्ड और फैन बॉक्स का रूप दिया जा रहा था। भट्टी के साथ गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। बताया जा रहा हैं कि बेसमेंट में रखे पाउडर पोटिंग की भट्टी में लगे सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। वहीं बताया जा रहा है कि जब विस्फोट हुआ, उस दौरान कम्प्रेशर चालू था, जिससे आग भभक पड़ी। फैक्ट्री में 69 किलो एलपीजी गैस से भरे पांच सिलेंडर रखे थे। फायर फाइटर्स सबसे पहले सिलेंडरों को आग की लपटों से दूर लेकर गए।

शिवपुरी में तृतीय विशाल देसी घी भंडारा व सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न, विधायक ललित यादव रहे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । क्षेत्र के शिवपुरी की ढाणी, दौलतसिंहपुरा में बुधवार को श्री बालाजी महाराज के सानिध्य में तृतीय विशाल देसी घी भंडारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन से हुई, जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने देसी घी से बने प्रसाद का लाभ उठाया और पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। गायक कलाकार रविन्द्र बैंसला एंड पार्टी सहित स्थानीय कलाकारों ने भजनों और लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। बालाजी महाराज के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ललित यादव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में इन्द्र यादव, वेदप्रकाश सैनी तथा महावीर प्रसाद चर्चिया सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। आयोजक कमेटी द्वारा सभी अतिथियों का साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन रामपाल कुमावत ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कमेटी के सदस्य भोलाराम, रतनलाल, शिंभुदयाल, संदीप कुमार, बंशीलाल, बृजेश कुमार, संदीप, लालाराम, मदन सहित अनेक ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। पूरे आयोजन में श्रद्धा, सेवा और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन में गहरी छाप छोड़ी।

मामुपुर में रात्रि ठहराव कार्यक्रमः डीसी विवेक भारती व एसपी निकिता खट्टर ने सुनी जनसमस्याएं, मौके पर समाधान

डीसी डा. विवेक भारती व एसपी निकिता खट्टर ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, विकास व जनसेवा को लेकर दिए अहम संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.जाखल/फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन फतेहाबाद द्वारा वीरवार सायं गांव मामुपुर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीसी डा. विवेक भारती व एसपी निकिता खट्टर ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गांव में ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याएं सुनकर मौके पर ही समाधान करवाया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्राम पंचायत व सरपंच गुरप्रीत सिंह द्वारा डीसी व एसपी सहित समस्त अधिकारियों का स्वागत व अभिनंदन किया।

जनसुनवाई से बढ़ा विश्वास, समाधान से मिली राहत

ग्रामीणों से रूबरू होते हुए डीसी डा.विवेक भारती ने कहा कि हरियाणा सरकार जनसेवा के प्रति पूर्णतः समर्पित है और इसी उद्देश्य से प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं को उनके घर द्वार पर ही सुन रहा है। उन्होंने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। डीसी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार और वीरवार को मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां किसी भी विभाग से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध निवारण किया जा रहा है।

समग्र विकास के उद्देश्य से कार्य कर रहा प्रशासनः

डीसी डा. विवेक भारती ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य केवल समस्याओं का समाधान करना ही नहीं, बल्कि गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ अपने गांव को स्वच्छ, शिक्षित और नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। डीसी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक विकास कार्यों में सहयोगी बनते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाए।इसके अलावा डीसी ने यह भी कहा कि यदि किसी नागरिक की समस्या का समाधान निर्धारित समय में नहीं होता है तो वह सीधे जिला प्रशासन से संपर्क कर सकता है, उसकी शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

नशा मुक्त समाज के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : एसपी- रात्रि ठहराव कार्यक्रम में एसपी निकिता खट्टर ने युवाओं को नशे से दूर रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। यदि किसी भी प्रकार की नशे से जुड़ी गतिविधि की जानकारी मिलती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस या प्रशासन को दें, ताकि समय रहते सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नाबालिग दुष्कर्म मामले में ढीली जांच पर हाईकोर्ट ने लगाई कडी फटकार

पुलिस को केस डायरी सहित दो हफ्ते में रिपोर्ट तलब के दिये आदेश।

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर-मंडावर।

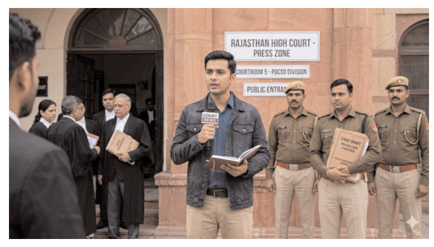

मनोज खंडेलवाल । मण्डावर थाना क्षेत्र में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर प्रकरण में जांच की धीमी रफ्तार और लापरवाही को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति उमाशंकर व्यास ने सुनवाई के दौरान दिनांक 18/04/2026 को स्पष्ट कहा कि मामले में पुलिस द्वारा सम्यक और प्रभावी अनुसंधान नहीं किया जा रहा है, जबकि यह प्रकरण अत्यंत संवेदनशील और गंभीर प्रकृति का है। अदालत ने पुलिस को निर्देशित किया कि आगामी पेशी पर केस डायरी सहित तथ्यात्मक रिपोर्ट न्यायालय में पेश की जाए तथा मामले को दो सप्ताह बाद पुनः सूचीबद्ध करने के आदेश दिए है। सुनवाई के दौरान परिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अभिषेक एवं प्रियदर्शिनी शर्मा ने अदालत को बताया कि नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसा जघन्य अपराध होने के बावजूद पुलिस जांच में गंभीर खामियां बरती जा रही हैं। पूर्व में कमजोर अनुसंधान के आधार पर नामजद आरोपियों को जमानत का लाभ मिल गया था, जिसे बाद में हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया, फिर भी जांच अधिकारी द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। मामले की पृष्ठभूमि में सामने आया कि 28 जनवरी 2026 को मण्डावर क्षेत्र में नाबालिग बालिका को तीन आरोपी जबरन गाड़ी में डालकर ले गये और चलती गाड़ी में उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को महवा थाना क्षेत्र के पास छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर 30 जनवरी को पीडीता का मेडिकल परीक्षण कराया और पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच सीओ महवा को सौंपी। मामले में जांच के दौरान विवाद तब खड़ा हुआ जब जांच अधिकारी ने पीड़िता को बालिग मानते हुए अदालत में पेश किया, जिसके आधार पर ट्रायल कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 को आरोपी गहलोत पुत्र फुल्या और नरेश लुहारिया को जमानत दे दी। इस निर्णय से असंतुष्ट पीड़ित पक्ष ने उच्च न्यायालय जयपुर का दरवाजा खटखटाया, जहां अधिवक्ता रवि शर्मा ने दलील दी कि मामला पॉक्सो एक्ट के तहत अत्यंत गंभीर अपराध का है और जमानत देते समय पीड़िता पक्ष को समुचित सूचना भी नहीं दी गई, साथ ही जांच में कई प्रक्रियात्मक त्रुटियां सामने आईं। उच्च न्यायालय ने बीएनएसएस की धारा 483(3) के तहत दायर जमानत निरस्तीकरण याचिका स्वीकार करते हुए आरोपियों की जमानत रद्द कर दी थी और पुलिस को निष्पक्ष व तथ्यात्मक पुनः शीघ्र जांच के स्पष्ट निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अभी तक जांच अधिकारी द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष केस से जुड़े तथ्य प्रस्तुत नहीं करने पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पुलिस को मामले में शीघ्र जांच पूर्ण कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

अनाज मंडी में फसल उठान को प्राथमिकता दें, व्यवस्था दुरुस्त रखें: डीसी डॉ. विवेक भारती

डीसी ने धारसूल अनाज मंडी का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/धारसूल।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने वीरवार को धारसूल अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद एवं फसल उठान कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में खरीद की जा चुकी फसल का उठान कार्य प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द किया जाए, ताकि व्यवस्थाएं सुचारू बनी रहें।डीसी डा. विवेक भारती ने मंडी में फसल की आवक, तौल और भंडारण से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि खरीदी गई फसल का समयबद्ध उठान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठान कार्य में तेजी लाई जाए और अनाज के सुचारू प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए।निरीक्षण के दौरान डीसी ने ई-खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते हुए कहा कि खरीद कार्य पूरी पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के तहत किया जाए। उन्होंने बायोमेट्रिक सत्यापन, गेट पास व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।डीसी डा. विवेक भारती ने कहा कि फसल के उठान के साथ-साथ किसानों के भुगतान की प्रक्रिया भी समय पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नोडल अधिकारी नियमित रूप से मंडियों का दौरा करें और मौके पर रहकर कार्यों की निगरानी करें, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित होती रहे। इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ सुरेश कुमार, डीएफएससी कुशल बूरा, जीएम हैफ़ड मांगेराम बेनीवाल, एचडब्लूसी जीएम दिलबाग गिल, बीडीपीओ बलजीत सिंह, सचिव संदीप कासनिया सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सीआईए रतिया की बड़ी कार्रवाईः चूरा पोस्त के साथ महिला आरोपी काबू

4 किलो 460 ग्राम चूरा पोस्त बरामद, NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/भट्टू कलां।

रजत विजय रंगा । सीआईए रतिया पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला आरोपी को चूरा पोस्त सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम बस अड्डा ढिंगसरा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक महिला राजस्थानी पहनावे में चेकदार बैग लेकर भट्टू कलां क्षेत्र की ओर आ रही है, जिसके पास भारी मात्रा में चूरा पोस्त है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हुड्डा पार्क, भट्टू कलां क्षेत्र में पहुंचकर संदिग्ध महिला को काबू किया। पूछताछ में आरोपी की पहचान वीरपाल कौर पुत्री जगीर सिंह निवासी जस्सी पौवाली, जिला बठिंडा (पंजाब) के रूप में हुई। नियमानुसार महिला पुलिस कर्मचारी की मौजूदगी में तलाशी ली गई, जिसके दौरान आरोपी के बैग से 4 किलो 460 ग्राम चूरा पोस्त बरामद हुआ। बरामद मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर विधिवत सील किया गया। इस संबंध में थाना भट्टू कलां में अभियोग संख्या 76 दिनांक 22.04.2026 धारा 15(बी), 61, 85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी वहीं आरोपी को न्यायालय में पेश किया जायेगा तथा मामले में आगामी जांच जारी है।

निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी

एनएचआरसी का ने उठाया बड़ा कदम, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से भी मांगा जवाब

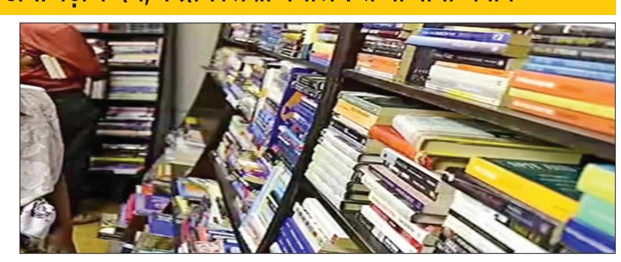

नई दिल्ली(एजेंसी)। निजी स्कूलों में महंगी किताबों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राइवेट स्कूलों में पेरेंट्स पर महंगी किताबों को खरीदने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और कई जगहों पर अभिभावक इसका विरोध भी जता रहे हैं, हालांकि अब इस मसले पर एनएचआरसी ने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई नमो फाउंडेशन की शिकायत के आधार पर हुई है, जिसमें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डालने का आरोप है।

आयोग ने राज्यों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पालन पर रिपोर्ट देने को कहा है, साथ ही एससीईआरटी और एनसीईआरटी की किताबों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने साफ कहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों में अलग-अलग किताबें लागू करना 'अकादमिक भेदभाव' हो सकता है। अब इस मामले में शिक्षा मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

बता दें स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर हरियाणा का अभिभावक एकता मंच भी पिछले कई सालों से आवाज उठा रहा है और इसका विरोध कर रहा है। मंच की मानें तो स्कूलों में छोटी-छोटी कक्षाओं में 4-4 हजार रुपए के किताबों के सेट लगाए हुए हैं। स्कूल हर साल पाठ्यक्रम की किताबों में कुछ न कुछ हल्का फेरबदल भी कर देते हैं ताकि पेरेंट्स पुरानी किताबों का इस्तेमाल न कर सकें और उन्हें नई किताबें ही खरीदनी पड़ें। इससे पेरेंट्स के ऊपर हर साल बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

तमिलनाडु चुनावः अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया

-एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है। टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। यह तरीका ऐसे राज्य में बहुत मायने रखता है, जहां युवाओं की आबादी बहुत ज़्यादा है करीब 12.5 लाख पहली बार वोट देने वाले और 40 साल से कम उम्र के करीब 2.5 करोड़ वोटर हैं। विजय ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए भी ज़ोरदार कोशिश की है। ये वोटर कुल वोटरों का करीब 51 फ़ीसदी हिस्सा हैं। टीवीके ने कई चुनावी वादे किए हैं। ये वादे एक रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं, खासकर तब जब पार्टी के अंदर पहले डीएमके सरकार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की मदद जैसी कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना की गई थी।

टीवीके के ज़्यादातर अकेले चुनाव लड़ने के फ़ैसले ने समीकरणों को उलझा दिया है, जिससे डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को ही अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करने पर मजबूर होना पड़ा है। एआईएडीएमके ने इस चुनाव को डीएमके के साथ सीधी लड़ाई के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, ताकि सत्ता-विरोधी वोटों का बंटवारा न हो, वहीं, डीएमके युवाओं के वोट छिटकने के जोखिम के बावजूद अपने मुख्य वोट बैंक को बचाए रखने के लिए अपने शासन के कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण पर ही ज़्यादा ज़ोर दे रही है। ज़मीनी स्तर पर, इस चुनाव का तीन-तरफ़ा स्वरूप दक्षिणी ज़िलों जैसे कन्याकुमारी, थूथुकुडी और तिरुनेलवेली में और साथ ही चेन्नई जैसे शहरी केंद्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इन जगहों पर टीवीके की मौजूदगी ने वोट देने के पारंपरिक तरीकों और जीत-हार के अंतर को बदल दिया है।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव अब कोई सीधा-सादा मुक़ाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन चुका है। डीएमके, एआईएडीएमके और टीवीके के बीच चल रही इस त्रिकोणीय जंग में, भले ही यह नई पार्टी सीधे तौर पर विजेता बनकर न उभरे, लेकिन चुनाव परिणामों को तय करने में इसकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां 40 फीसदी मतदाता अभी भी इस चुनाव को डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक जंग मानते हैं, वहीं 20 फीसदी लोग विजय को एक वास्तविक और मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। भले ही विजय सीधे तौर पर सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन उनकी पार्टी किंगमेकर बनकर उभरेगी और भविष्य के गठबंधनों की दिशा तय करेगी।

अभिषेक शर्मा ने तो गजब ही कर दिया

क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी सामने नहीं टिक पाया

अभिषेक शर्मा के टी20 में 130 से ज्यादा के स्कोर

- इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 54 गेंद पर 7 चौके और 13 छक्कों से 135 रन।
- आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों पर 141 रनों की पारी।
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के लिए बंगाल के खिलाफ 16 छक्कों की मदद से 52 गेंद पर 148 रन।
- आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 10 चौके और 10 छक्कों से 135 रन।

अभिषेक शर्मा के आगे दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए। उन्होंने आईपीएल इतिहास की पांचवीं सबसे बड़ी पारी खेली।

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का 31वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अभिषेक ने तूफानी शतक लगाते हुए क्रिस गेल के बड़े टी20 रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अभिषेक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 68 गेंदों में 198 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 135 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 10 चौके और 10 छक्के लगाए। उनकी पारी ने इस मैच में हैदराबाद को 47 रनों से जीत दिलाई।

सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले

ऑटोग्राफ दिया, पत्नी अंजलि, बेटी सारा और बहू सानिया ने बच्चों संग बिताया समय

जगदलपुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे। जहां आदिवासी बच्चों और खेल में रुचि रखने वाले बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने जगदलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि दंतेवाड़ा में 50 से ज्यादा खेल मैदान का 5 हजार बच्चों को फायदा मिलेगा। वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे। यहां भीषण गर्मी में बच्चों को अलग-अलग गांव से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। टीचर ने बताया कि एक बस में 100 से ज्यादा बच्चों को बैठाकर लाया गया। जबकि बस 50 सीटर है। जगदलपुर में सचिन ने बच्चों को बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया। सचिन को सिहाड़ी बीज की माला पहनाई गई। बेटी सारा और बहू सानिया भी साथ दिखे।

अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की। मैं समझता हूं जो एक सही दोस्त होता है वो आईना दिखता है, परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती, इसलिए ऐसे दोस्त रखो जो ऐसे ही बनकर रहे। मेरे पिता ने एडवाइस दी कि क्रिकेट कितने साल चलेगा, मैंने कहा 10 से 15 साल, मेरे पिता ने कहा था उसके बाद क्या? आप अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें।

बच्चों के साथ समय, ग्रामीण जीवन को समझने की कोशिश

परिवार ने बच्चों को खिलौने दिए और उनके साथ समय बिताया। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जीवनशैली, जरूरतों और समस्याओं को समझने पर खास फोकस रहा। इससे यह दौरा सिर्फ औपचारिक न रहकर जमीनी जुड़ाव का प्रयास नजर आया।

ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी जुटाई

इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। तेंदुलकर परिवार ने वनांचल में ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी जुटाई। इस दौरान सारा तेंदुलकर ने एक आदिवासी बच्चे को गोद में लेकर प्यार और दुलार करती हुई भी नज़र आई।

जन स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर डॉक्टरों से चर्चा की

बुधवार सुबह नाश्ते के बाद तीनों गनियारी प्राइमरी हेल्थ सेंटर पहुंचीं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया और फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया गया। डॉक्टरों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने बताया कि, गनियारी जन स्वास्थ्य समिति वनांचल के विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रम संचालित करती है। तेंदुलकर परिवार ने समिति की तरफ से संचालित फुलवारी केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम बम्हनी में जनस्वास्थ्य उपकेंद्र और बालवाड़ी में वनक्षेत्र के गरीब बच्चों के रहन-सहन और उपस्वास्थ्य केंद्र के संचालन को करीब से देखा। फुलवारी केंद्र में बैगा बच्चों के पोषण और शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। समिति की चिकित्सकीय टीम ने उन्हें स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में बताया।

14 साल के यागिज़ काआन ने रचा इतिहास

चोरलू तुर्की (एजेंसी)। तुर्की के 14 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी यागिज़ काआन एरदोगमुस ने विश्व शतरंज में इतिहास रचते हुए 2700 एलो रेटिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन वेसलिन टोपालोव को छह मैचों की श्रृंखला में 5-1 से हराकर लाइव रेटिंग 2709.4 तक पहुंचा दी। इस उपलब्धि के साथ वह 2700 क्लब में शामिल होने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एरदोगमुस ने यह उपलब्धि 14 वर्ष, 10 महीने और 27 दिन की उम्र में हासिल की, जिससे उन्होंने चीन के वेई यी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 15 वर्ष, 8 महीने और 27 दिन में यह मुकाम पाया था। इससे पहले अलीरेज़ा फिरोज़ा, डी गुकेश और मैग्नस कार्लसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी 16 वर्ष की उम्र के आसपास ही 2700 तक पहुंचे थे।

- शतरंज में 2700 रेटिंग पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

दिलचस्प बात यह है कि एरदोगमुस ने 16 अप्रैल 2026 को ही लाइव रेटिंग में 2700 का आंकड़ा पार कर लिया था, जब वह सिर्फ 14 वर्ष, 10 महीने और 13 दिन के थे। अब सवाल यह है कि क्या वह दुनिया के टॉप-10 खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन सकते हैं? फिलहाल यह रिकॉर्ड गाटा काम्स्की के नाम है, जिन्होंने 16 वर्ष और 29 दिन की उम्र में विश्व रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया था। एरदोगमुस के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए जुलाई 2027 तक का समय है। वर्तमान में वह लाइव रैंकिंग में लगभग 29वें स्थान पर हैं और टॉप-10 में पहुंचने के लिए उन्हें करीब 2755-2760 रेटिंग तक जाना होगा। यानी उन्हें लगभग 45-50 रेटिंग अंकों की और जरूरत है, जो 2700 स्तर पर हासिल करना बेहद कठिन माना जाता है। हालांकि जिस गति से एरदोगमुस आगे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि वह यह करिश्मा भी कर सकते हैं।विश्व शतरंज में उभरती यह नई प्रतिभा आने वाले समय में खिताबों की दौड़ को और रोमांचक बना सकती है।

आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो

शौर्य बिनु का जलवा, 9-अंडर खेलकर लीड पर कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय युवा गोल्फर शौर्य बिनु ने अफ्रीकन स्विंग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एएम ग्रीन आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो में बढ़त हासिल कर ली है। पहले राउंड में 1-अंडर 72 खेलने के बाद बिनू ने दूसरे राउंड में शानदार 9-अंडर 64 का स्कोर किया और कुल 10-अंडर के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए।

शानदार फॉर्म में हैं बिनू

21 वर्षीय बिनू हाल के हफ्तों में बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने मॉरीशस में सातवां और जोहान्सबर्ग में चौथा स्थान हासिल किया था। पढ़ाई और गोल्फ के बीच संतुलन बनाते हुए उनका यह प्रदर्शन काफी प्रभावशाली माना जा रहा है।

टोविनो थॉमस ने जूनियर एनटीआर की 'ड्रैगन' का हिस्सा होने पर दी प्रतिक्रिया

निर्देशक प्रशांत नील की जूनियर एनटीआर स्टारर फिल्म, जिसे अभी 'ड्रैगन' के नाम से जाना जा रहा है, अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ मलयालम स्टार टोविनो थॉमस के भी होने की चर्चाएं चल रही थीं। लेकिन अब टोविनो थॉमस ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। टोविनो फिल्म का हिस्सा हैं या नहीं इसको लेकर उन्होंने अब स्थिति साफ कर दी है।

मैं एकसाथ कई फिल्में नहीं करता

हैदराबाद में अपनी मलयालम फिल्म 'पल्लीचट्टाम्बी' के प्रमोशन के दौरान टोविनो थॉमस ने स्पष्ट किया कि वो प्रशांत नील और जूनियर एनटीआर की फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने बताया कि शेड्यूल में टकराव के कारण उन्होंने 'ड्रैगन' छोड़ दी। एक्टर ने कहा कि डेट्स मिलना बहुत मुश्किल है, इसलिए मैं यह फिल्म नहीं कर रहा हूं। मैं एक साथ कई फिल्में नहीं करता। मलयालम में हम एक ही शेड्यूल में फिल्म पूरी कर लेते हैं। लेकिन तेलुगु में, एक प्रोजेक्ट में लगभग एक साल लग जाता है। मैं तीन महीने दे सकता हूं, पूरा साल नहीं।

25 जून को रिलीज होनी है फिल्म

एनटीआर-नील के नाम से मशहूर इस तेलुगु फिल्म को फिलहाल 'ड्रैगन' के नाम से पहचाना जा रहा है। यह तेलुगु सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को 25 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होना है। हालांकि, फिल्म के आगे बढ़ने और टलने की भी खबरें सामने आईं, लेकिन अभी तक मेकर्स की ओर से इसकी कोई घोषणा नहीं की गई है। फिल्म में जूनियर एनटीआर के अलावा रुक्मिणी वसंत और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'वॉर 2' में नजर आए थे जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर आखिरी बार ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में नजर आए थे। इस फिल्म से उन्होंने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। यह यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है।

मुझे किसी पर डिपेंड होने की जरूरत नहीं...

कृतिका कामरा ने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल से की थी, वह टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक थीं लेकिन अचानक ही सबकुछ छोड़ दिया। टीवी से फिल्मों और वेब सीरीज की तरफ रुख किया। धीरे-धीरे वह यहां भी अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। हालिया रिलीज सीरीज 'मटका किंग' में वह विजय वर्मा के अपोजिट नजर आईं। साथ ही टीवी प्रेजेंटर गौरव कपूर से की गई उनकी सादगी भरी शादी भी खूब चर्चा में रही। कृतिका कामरा ने अपने शुरुआती करियर, पर्सनल लाइफ को लेकर लंबी बातचीत की है।

खुश हूं कि कम उम्र में शादी नहीं की

कृतिका कामरा ने 37 साल की उम्र में गौरव कपूर से शादी की है। इतनी देर से शादी करने पर वह कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूं कि कम उम्र में शादी नहीं की। कम उम्र में हमारी सोच अलग होती है। खासकर छोटे शहरों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाती है। मेरी कई दोस्तों की काफी पहले शादी हो चुकी है, उनके बच्चे भी हैं। ऐसे माहौल में करियर को उतनी अहमियत नहीं दी जाती। लेकिन मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मेरे पैरेंट्स ने मुझ पर कभी किसी तरह का दबाव नहीं डाला। उन्होंने कभी यह नहीं पूछा कि शादी कब करोगी? उन्होंने हमेशा मुझे और मेरे भाई को बराबरी से पाला है।'

वक्त के साथ प्यार को लेकर नजरिया बदल गया

कृतिका कामरा बताती हैं कि टीनएज में उनकी सोच भी रोमांटिक किस्म की थी। लेकिन वक्त के साथ नजरिया बदल गया। वह कहती हैं, 'टीनएज में हम जो देखते-सुनते हैं, उसी से हमारी सोच बनती है। फिल्में, गाने और आसपास का माहौल एक तरह का रोमांटिक नजरिया बना देते हैं। मैं खुद भी काफी रोमांटिक हूं। एक्टर होने के नाते ये चीजें और गहराई से महसूस करती हूं। लेकिन समय के साथ यह सोच बदलती है। आप अपनी जिंदगी के अनुभवों से सीखते हैं। अपने और दूसरों के रिश्तों को बनते-बिगड़ते देखते हैं और धीरे-धीरे चीजों को अलग नजरिए से समझने लगते हैं।

मैं और गौरव दोनों सेल्फ-मेड हैं

अपने लाइफपार्टनर गौरव कपूर के बारे में कृतिका कहती हैं, 'अब मैं अपने आप को ज्यादा फ्री महसूस करती हूं। मैं लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरने के लिए फैसले नहीं लेती हूं। मैं अपनी कंपनी एंज्वॉय करती हूं। मैं इमोशनली और फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं। मुझे किसी पर डिपेंड होने की जरूरत नहीं है। गौरव भी मेरी तरह के इंसान हैं, वो भी सेल्फ मेड हैं। उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू किया और अपनी लाइफ खुद बनाई। वो मेरी जर्नी को समझते हैं। हम दोनों अपने अपने तरीके से इंडिपेंडेंट लोग हैं और अब एक हो गए हैं। अभी शादी को एक महीना ही हुआ है लेकिन ऐसा नहीं लगा कि बहुत कुछ बदल गया है। मैं जो जिम्मेदारियां पहले निभा रही थीं, वहीं हम दोनों मिलकर निभा रहे हैं।'

मैन वर्सेस मशीन पर आधारित होगी 'तेरी बातों में ऐसा...2'

स्क्रिप्ट जल्द होगी लॉक

साल 2024 में आई 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने भारतीय सिनेमा में 'इंसान और मशीन' के रिश्ते पर एक एक्सपेरिमेंट पेश किया था। करीब 133.64 करोड़ के ग्लोबल कलेक्शन के साथ फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाई। अब खबरें हैं कि इसका सीक्वल यानी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2' जल्द ही अपने अगले फेज में एंटर करने वाला है।

मैडॉक फिल्म्स ने इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने के लिए राइटिंग टीम को एक्टिव कर दिया है। स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है और मेकर्स अगस्त 2026 तक इसे फाइनल करने का प्लान बना रहे हैं। फिल्म 2027 की पहली छमाही में फ्लोर पर जा सकती है।

फिल्म के दौरान क्रिएटिव चर्चा भी खूब करते थे शाहिद

शूटिंग के दौरान शाहिद सिर्फ एक एक्टर नहीं, बल्कि क्रिएटिव चर्चा का अहम हिस्सा भी थे। वे रोबोटिक्स की विश्वसनीयता पर लगातार सुझाव देते रहे। वहीं कृति के लिए 'सिफ्रा' का किरदार चुनौतीपूर्ण रहा, जहां उन्हें मशीन और इंसान के बीच संतुलन बनाना था। सीक्वल में उनके किरदार का फोकस 'मशीन इमोशंस' के डेवलपमेंट पर रहेगा।

2027 तीनों स्टार्स के लिए बड़ा, आएंगे कई प्रोजेक्ट

बता दें कि साल 2027 शाहिद, कृति और जाह्नवी के करियर के लिहाज से भी अहम रहने वाला है। जहां शाहिद एक्शन और थ्रिलर जॉनर में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में हैं, वहीं कृति अपने प्रोडक्शन हाउस 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' के तहत नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। दूसरी ओर, जाह्नवी पैन-इंडिया और साउथ प्रोजेक्ट्स के जरिए अपने करियर को नए स्तर पर ले जाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। दिनेश विजन के लिए भी यह सीक्वल एक सुरक्षित दांव होगा।

सीक्वल में दिखेगा टेक्नोलॉजी और भावनाओं का संघर्ष

ट्रेड एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सीक्वल का मुख्य थीम 'मैन वर्सेस मशीन' का क्लैश होगा। AI और ह्यूमनॉइड रोबोट्स के बढ़ते प्रभाव के बीच फिल्म इस फिक्शन को हकीकत से जोड़ने की कोशिश करेगी।

अभिषेक बच्चन ने बताया छोटा भाई, तो

विद्या बालन

बोलीं- रितेश मेरा भाई नहीं है

रितेश देशमुख, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन और जेनेलिया डिसूज़ा जैसे सितारों से सजी फिल्म 'राजा शिवाजी' का सोमवार को मुंबई में ट्रेलर लॉन्च किया गया. ट्रेलर लॉन्च इवेंट में तमाम सितारे नज़र आए. रितेश ने इस फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाई है. साथ ही उन्होंने इस फिल्म का डायरेक्शन भी किया है. रितेश ही वो शख्स थे, जिन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार को इस मराठी फिल्म से जोड़ा. ट्रेलर लॉन्च के दौरान अभिषेक और संजय दत्त ने रितेश को अपना छोटा भाई बताया. लेकिन विद्या बालन ने कहा कि रितेश उनका भाई नहीं है. उन्होंने ऐसा क्यों कहा? आइए जानते हैं.'राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान संजय दत्त ने कहा कि रितेश देशमुख मेरा छोटा भाई है और उसकी बात मेरे लिए एक लकीर जैसी है. उन्होंने कहा कि मैंने फिल्म करने के दौरान काफी एंजॉय किया. वहीं अभिषेक बच्चन ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं पहली बार ट्रेलर देखा, रितेश मुबारक हो तुम्हें, मेरे रोंगटे खड़े हो गएज्मेरे लिए इस फिल्म का हिस्सा बनना गर्व की बात है.

ये हमारे छोटे भाई हैं...

अभिषेक आगे कहते हैं, जैसा संजू सर ने कहा, ये हमारे छोटे भाई हैं. अभिषेक ने कहा कि ये सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इमोशन है. उन्होंने कहा कि मैंने आज तक मराठी सिनेमा में इस स्केल की फिल्म नहीं देखी है. उन्होंने ये भी कहा कि इस बात में कोई शक नहीं है कि रितेश कुछ मांगे और मैं न बोल दूं.

विद्या बालन ऐसा क्यों बोलीं ?

इवेंट के दौरान विद्या बालन ने हल्के फुल्के अंदाज़ में कहा, अभिषेक ने कहा छोटा भाई है मेरा, मेरा नहीं है. विद्या की इस बात पर सभी ज़ोर से हंसने लगते हैं और रितेश भी प्यार से उन्हें आकर गले लगाते हैं. आगे विद्या कहती हैं, पर दोस्त जरूर है. इस दौरान विद्या ने ये भी बताया कि जब उन्हें पता चला कि रितेश शिवाजी महाराज पर फिल्म बना रहे हैं तो वो भी इसमें काम करना चाहती थीं. बाद में रितेश खुद विद्या बालन के घर गए और उन्होंने विद्या को फिल्म की पूरी कहानी सुनाई. विद्या ने कहा, उन्होंने आकर मुझे कहानी सुनाई. मैं बड़े ध्यान से सुन रही थी. मैंने कहा कि मैं थोड़ा सोच कर बताती हूं. क्योंकि मैं ज्यादा उत्सुकता नहीं दिखाना चाहती थी. ताकि उनको पता न चल जाए कि मैं ही इंतजार कर रही थी कि वो आए. वो घर से निकले और मैंने उनको फोन किया कि हां मैं कर रही हूं.

ऐश्वर्या राय

ने शादी की 19वीं सालगिरह पर अभिषेक बच्चन के साथ शेयर की तस्वीर, सेल्फी में बेटी भी नज़र आई

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन इंस्टाग्राम पर मौजूद जरूर हैं, लेकिन वो इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बेहद कम ही एक्टिव नज़र आती हैं. उनके एक पोस्ट से दूसरे पोस्ट के बीच अक्सर एक महीने से ज्यादा का गैप होता है. हालांकि शादी की सालगिरह के मौके पर वो हमेशा ही फैमिली की तस्वीर शेयर करती हैं. और आज तो दिन डबल खुशी का था. आज जब उनके पति और अभिनेता अभिषेक बच्चन की अपकमिंग फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर लॉन्च हुआ, तो उसके कुछ देर के बाद ही ऐश्वर्या राय ने पति अभिषेक और बेटी आराध्या के साथ इंस्टाग्राम पर कुछ फैमिली सेल्फी शेयर कर दी. शादी की सालगिरह पर शेयर की गई उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गई.ऐश्वर्या राय ने सोमवार की रात करीब 8 बजे अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दो सेल्फी शेयर की. इसमें ऐश्वर्या बेटी आराध्या और पति अभिषेक के साथ मुस्कुराती हुई नज़र आ रही हैं. तस्वीर आज की ही मालूम पड़ती है क्योंकि अभिषेक उसी लिबास में नज़र आ रहे हैं, जिस लिबास में वो 'राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर पहुंचे थे.

कुछ देर में वायरल हुई तस्वीर

ऐश्वर्या ने जैसे ही वेडिंग एनिवर्सरी पर फैमिली फोटो शेयर की ये वायरल होने लगी. तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने स्पार्कलिंग रेड हार्ट वाली इमोजी कैप्शन में पोस्ट की है. हालांकि उन्होंने कुछ लिखा नहीं है. तस्वीर के आते ही इस पर कुछ मिनट में 20 हज़ार से ज्यादा लाइक्स आ गए और सैकड़ों लोग तस्वीर पर कमेंट के जरिए प्यार लुटाने लगे. कई फैंस फैमिली फोटो को दिन की बेस्ट तस्वीर बताने लगे.

एक साल बाद अभिषेक का साथ शेयर की तस्वीर

ऐश्वर्या राय ने पति अभिषेक के साथ पूरे एक साल के बाद तस्वीर शेयर की है. इससे पहले 20 अप्रैल 2025 को उन्होंने अभिषेक और आराध्या के साथ एक तस्वीर शेयर की थी. वहीं 2024 में भी शादी की सालगिरह के मौके पर ऐश्वर्या ने ऐसी ही फैमिली फोटो शेयर की थी.गौरतलब है कि ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ने साल 2007 में 20 अप्रैल को शादी रचाई थी.

आमिर खान बनेंगे अशनीर ग्रोवर, श्रद्धा कपूर करेंगी उनकी पत्नी का रोल, फिल्म में हुई एंट्री?

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड एक्टर आमिर खान का नाम एक बायोपिक फिल्म से जुड़ रहा है. वो बायोपिक है भारत पे के फाउंडर और पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अशनीर ग्रोवर की. एक रिपोर्ट में ऐसा बताया गया था कि आमिर को कहानी पसंद आई है और वो इस फिल्म को करने को राजी हैं. अब इस फिल्म से एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का भी नाम जुड़ रहा है. कहा जा रहा है कि वो भी इस फिल्म में अहम भूमिका नजर आने वाली हैं.

मिड डे की एक रिपोर्ट में ऐसा कहा गया कि श्रद्धा कपूर अशनीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन का रोल करने वाली हैं. सूत्र के हवाले ये भी लिखा गया कि श्रद्धा शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ी हुई हैं. ये पहले ही तय हो गया था कि वो इस बायोपिक की फीमेल लीड होंगी. वो स्क्रीनप्ले के तैयार होने के प्रोसेस में भी काफी क्लोज थीं.

ऑफिशियल ऐलान का इंतजार

इन दिनों इस प्रोजेक्ट की काफी चर्चा हो रही है. हालांकि, न तो आमिर या उनकी टीम, न हीं अशनीर ग्रोवर या फिर श्रद्धा कपूर की तरफ से अभी इस प्रोजेक्ट के बारे कुछ में कहा गया है. आमिर और श्रद्धा सच में अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम कर रहा है, ये तो तभी क्लियर होगा जब इस फिल्म का ऑफिशियल ऐलान होगा या फिर इनमें से किसी की तरफ से कुछ कहा जाएगा.

राहुल मोदी डायरेक्ट करेंगे फिल्म

ऐसी भी चर्चा है फिल्म राइटर राहुल मोदी इसे डायरेक्ट कर और प्रोड्यूस कर रहे हैं. राहुल इससे पहले 'तू झूठी मैं मक्कार', 'प्यार का पंचनामा' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी फिल्मों की कहानी लिख चुके हैं. अगर सच में आमिर और श्रद्धा इस फिल्म में काम कर रहे हैं, तो ऐसे में देखना होगा कि मेकर्स कब तक इसका ऐलान करते हैं.

आमिर खान की अगली फिल्म

बहरहाल, आमिर खान आखिरी बार सितंबर 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'सितारे जमीन पर' में दिखे थे. उसके बाद से फैंस इंतजार में हैं कि अब आमिर की नई फिल्म कब तक आएगी. इसी साल 13 अगस्त को उनके प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी 'लाहौर 1947' के नाम से एक फिल्म रिलीज होने जा रही है. सनी देओल और प्रीति जिंटा लीड रोल में हैं. कहा जा रहा है कि इसमें आमिर कैमियो रोल में हैं.

17 भाषाओं में सबटाइटल, 28 देशों में रिलीज, बजट से 10 गुना ज्यादा कमाई! 70 साल पहले आई इस फिल्म का करिश्मा ही अलग था

सिनेमा की दुनिया में आज पैन-इंडिया और ग्लोबल रिलीज आम बात हो गई है, लेकिन सोचिए अगर 70 साल पहले कोई भारतीय फिल्म दुनिया के 28 देशों में रिलीज हो जाए, 17 भाषाओं में उसके सबटाइटल हों और बॉक्स ऑफिस पर बजट से 10 गुना ज्यादा कमाई कर ले, तो उसे क्या कहा जाएगा? उस दौर में जब भारतीय सिनेमा तकनीक और संसाधनों के मामले में शुरुआती दौर में था, तब एक फिल्म ने ऐसा इतिहास रचा कि आज भी उसकी चर्चा होती है. ये फिल्म अपने समय से इतनी आगे थी कि इसे भारतीय सिनेमा की पहली ग्लोबल हिट फिल्मों में गिना जाता है.

देश की आजादी के कुछ साल बाद साल 1952 में रिलीज हुई फिल्म 'आन', इसने इंडियन सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई. उस दौर में विदेशी बाजार में भारतीय फिल्मों का पहुंचना बेहद मुश्किल माना जाता था, लेकिन इस फिल्म ने ये धारणा ही बदल दी. इसे सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि यूरोप, एशिया और कई अन्य देशों में भी रिलीज किया गया. खास बात ये रही कि अलग-अलग देशों के दर्शकों को ध्यान में रखते हुए फिल्म को 17 भाषाओं में सबटाइटल के साथ पेश किया गया, जो उस समय के हिसाब से बेहद बड़ा कदम था.

कई रिकॉर्ड बनाए थे

इस फिल्म को फेमस डायरेक्टर महबूब खान ने डायरेक्ट किया था, वो अपनी और भी कमाल की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने मदर इंडिया, अमर, औरत जैसी कई हिट फिल्में दीं. लेकिन, 'आन' फिल्म से उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाई. कमाई से लेकर टेक्निकल चीजों के मामले में भी इस फिल्म ने कई रिकॉर्ड बनाए. रिपोर्ट की मानें, तो ये उस जमाने की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल थी, इस फिल्म में खूब पैसा बहाया गया था.

बजट से 10 गुना कमाई

इस फिल्म को लेकर ऐसा दावा किया जाता है कि ये पहली इंडियन फिल्म थी, जिसे विदेशी थिएटर में रिलीज किया गया था. जब विदेशों में ये फिल्म दिखाई गई तो हॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर सेसिल बी डिमिले ने महबूब खान की तारीफ में उन्हें लेटर लिखा था. इतना ही नहीं ये उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी. 'आन' सुपरहिट थी और जानकारी के मुताबिक इसने 2.5 करोड़ रुपये कमाए थे, जो कि उसके बजट से 10 गुना ज्यादा था.

संक्षिप्त समाचार

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी। भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं, जिससे आयातक का रिफंड भारतीय कंपनी के लिए असली नकदी या कीमतों में छूट में बदल जाता है। कीमतों पर फिर से बातचीत : जहां पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में टैरिफ को शामिल किया गया था, अब जब लागत कम हो गई है, तो भारतीय निर्यातक उन समझौतों पर फिर से बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। भविष्य के ऑर्डर और प्रतिस्पर्धी बढ़त : भारतीय कंपनियां इस अवसर का इस्तेमाल ज्यादा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नए ऑर्डर के लिए बातचीत करने में कर सकती हैं।

'होर्मुज में अस्थिरता का भारत पर सीधा असर', जर्मनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताई चिंता

बर्लिन, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की रुकावट भारत के लिए दूर की घटना नहीं है, बल्कि यह सीधा असर डालने वाली वास्तविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में 50 दिनों से ज्यादा समय से संघर्ष जारी है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव भी पड़ रहा है। राजनाथ सिंह ने जर्मन संसद की रक्षा और सुरक्षा समिति को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीक में बदलाव से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलते हालात के अनुरूप होने के साथ नया दृष्टिकोण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भारत और जर्मनी के रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया पर निर्भर है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी बाधा सीधे असर डालती है। उन्होंने बताया कि भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनाई है और समन्वित दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर ने रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया है और यूरोपीय संघ के स्तर पर भी भारत के साथ सहयोग बढ़ रहा है। सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल खरीद कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सह-निर्माण, सह-विकास और सह-नवाचार का अवसर है।

नासा रोवर की तस्वीरों में मंगल पर उड़ते दिखे कीड़े, फिर छिड़ी जीवन पर बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों में कथित रूप से पंखों वाले कीड़े, छिपकली जैसे जीव और शिकारी जैसे जीवन रूप दिखाई देने के दावों ने वैज्ञानिको का ध्यान खींचा है। हालांकि यह विचार बेहद रोमांचक है कि मंगल की सतह पर कीड़े उड़ रहे हों या धूल के बीच कोई जीव छिपा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का बड़ा हिस्सा इन दावों को लेकर काफी सतर्क और संशयपूर्ण है। विशेषज्ञों का कहना है कि मंगल सौरमंडल के सबसे अधिक अध्ययन किए गए ग्रहों में से एक है और अब तक वहां किसी जटिल जीव के अस्तित्व का ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हाल के दावे मुख्य रूप से नासा के मार्स रोवर, विशेषकर क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा ली गई तस्वीरों की व्याख्या से जुड़े हैं। कीट विज्ञानी विलियम रोमोसर ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रोवर छवियों का अध्ययन करते हुए दावा किया कि इनमें कीड़ों जैसे और सरीसृपों जैसे आकार दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी प्रस्तुति एविडेंस ऑफ एक्सटेंट इंसेक्ट-लाइक ऑर्गेनिज्म्स ऑन मार्स और उसके सप्लीमेंटल मैटेरियल में तर्क दिया कि कुछ आकृतियां पंख, पंखों की मोड़ संरचना और व्यवस्थित पैरों जैसी बनावट दिखाती हैं। रोमोसर का कहना था कि मंगल पर जीवन था और अब भी है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, अपनी पहली यात्रा पर बोले राजनाथ सिंह

जर्मनी, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी पहुंचे, जहां उन्होंने बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों, भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव पर विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और जर्मनी के बीच लिविंग ब्रिज बताया और कहा कि हाल के वर्षों में यह समुदाय एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की तेज आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास को रेखांकित किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स, अंतरिक्ष और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय : अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले सात दशकों में भारत और जर्मनी के संबंध हर क्षेत्र में मजबूत हुए हैं। आज जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं और जर्मनी की अग्रणी कंपनियां भारत के औद्योगिक विकास व मेक इन इंडिया अभियान को गति दे रही हैं। दूसरी ओर, कई भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

जर्मनी में भारतीय की संख्या 3.7 लाख है : उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के द्वार भले ही सरकारों के हाथ में हों, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों की असली मजबूती लोगों के आपसी जुड़ाव से तय होती है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि इस पुल को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने बताया कि जर्मनी में भारतीयों की संख्या 3.7 लाख है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान ने जर्मनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रक्षा मंत्री की पहली आधिकरिक यात्रा : रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली आधिकारिक यात्रा है और वह वहां के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक उपलब्धि है कि समय के साथ भारत और जर्मनी के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और जर्मनी के लिए विशेष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के औपचारिक राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजली : उन्होंने आगे कहा कि भारत और जर्मनी केवल राजनीतिक और रणनीतिक संबंध ही साझा नहीं करते, बल्कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा उत्साह और जुड़ाव है। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें हम्बोल्ट विश्वविद्यालय जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरान दिखे हल्के-फुल्के पल : कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली यात्रा है, जबकि वह अमेरिका सात से आठ बार जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वह दो बार अमेरिका जा चुके हैं। इस पर श्रोताओं के हंसने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि लोग क्यों हंस रहे हैं, जबकि वह तो सभी से मिलकर प्रसन्न हैं। राजनाथ सिंह ने जर्मनी की वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में जर्मनी का एक अलग सम्मान है। उन्होंने कहा कि जर्मनी की इस सफलता में वहां के मूल निवासियों का बड़ा योगदान है, लेकिन भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता।

अमेरिकी नौसेना के सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत पर संकट! भविष्य की योजना पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना ने अपने सबसे हाई-टेक और महंगे युद्धपोत फोर्ड-क्लास एयरक्राफ्ट कैरियर की डिजाइन और लागत की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। इस कदम ने इन आधुनिक विमानवाहक पोतों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नौसेना सचिव जॉन फेलन ने साफ किया कि यह समीक्षा व्यावहारिक और जरूरी है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इन जहाजों पर खर्च और तकनीक भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस समीक्षा के बाद फोर्ड-क्लास के भविष्य के जहाज रद्द हो सकते हैं, तो उन्होंने सीधे इंकार नहीं किया। उन्होंने कहा 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन विमानवाहक पोत हमारी रणनीति का अहम हिस्सा बने रहेंगे।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से इन जहाजों की तकनीक, खासकर मैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम की आलोचना करते रहे हैं। उनका दावा था कि यह तकनीक भरोसेमंद नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड जून 2025 से 300 दिनों से अधिक समय तक तैनात रहा और कई अहम सैन्य अभियानों में शामिल हुआ। हालांकि, इतनी लंबी तैनाती के दौरान तकनीकी और संचालन से जुड़े कुछ मुद्दे भी सामने आए, जिससे इसकी क्षमता और लागत को लेकर बहस तेज हो गई है।

अमेरिकी सेना में बदलाव: अब सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन अनिवार्य नहीं, धार्मिक स्वतंत्रता का दिया गया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी स्वास्थ्य नीति में बड़ा बदलाव करते हुए सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन को अब अनिवार्य नहीं रखा है। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी सैनिक अपनी इच्छा और धार्मिक आस्था के आधार पर वैक्सीन लेने या न लेने का निर्णय ले सकेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिक फ्लू वैक्सीन लेने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। उनका शरीर, आस्था और दृढ़ विश्वास पर समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, सैन्य सेवाओं को वैक्सीन की अनिवार्यता जारी रखने का अनुरोध करने की अनुमति है। इसके लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है। अमेरिकी सेना में टीकाकरण कार्यक्रम अमेरिकी क्रांति के समय से चले आ रहे हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी के दौरान यह एक विवादास्पद राजनीतिक मुद्दा बन गया था। साल 2021 में कोविड-19 वैक्सीन अनिवार्य की गई थी। इसे मानने से इन्कार करने पर 8,400 से अधिक सैनिकों को सेना से बाहर कर दिया गया। हजारों अन्य ने धार्मिक और चिकित्सा छूट मांगी थी। कांग्रेस ने इस आदेश को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की। पेंटागन ने जनवरी 2023 में इस आदेश को वापस ले लिया। तब तक

नौसेना, वायु सेना और मरीन कॉर्प्स के करीब 99 फीसदी सैनिकों ने वैक्सीन लगवा ली थी। ट्रंप प्रशासन ने कोविड-19 वैक्सीन से इन्कार करने वाले सैनिकों को वापस सेवा में लाने की नीति बनाई। इसमें उन्हें पिछली तनख्वाह के साथ वापस लाने का प्रावधान था। हालांकि, बहुत कम सैनिकों ने इस नई नीति का लाभ उठाया है। पेंटागन ने मार्च में बताया कि 153 सैनिकों को बहाल किया गया है। हेगसेथ की टीम ने पिछले कई महीनों से इन सैनिकों को व्यक्तिगत रूप से उजागर किया है। फ्लू वैक्सीन आदेश को ऐसे समय में हटाया गया है जब फ्लू का मौसम गंभीर रहा है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ छह महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को वार्षिक इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की सलाह देते हैं। ट्रंप प्रशासन बच्चों के लिए भी कुछ वैक्सीन की सिफारिशों को कम कर रहा है। कांग्रेस रिसर्च सर्विस की 2021 की रिपोर्ट में आठ अनिवार्य वैक्सीन सूचीबद्ध थीं। इनमें फ्लू, पोलियो, टिटनेस, खसरा और हेपेटाइटिस ए व बी शामिल थे।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया। अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

यूएस दौरे पर भारतीय सेना प्रमुख: द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान : फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है।

भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता : इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था। इस दौरान उनका जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बाद में एयर चीफ मार्शल सिंह ने पेंटागन से ट्रॉय मिंक और जनरल केनेथ विल्सबैक में मुलाकात की। वार्ता के दौरान इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया गया।

अमेरिकी वायुसेना नेतृत्व ने कहा कि भारत के साथ रक्षा साझेदारी वॉशिंगटन की रणनीतिक प्राथमिकताओं में केंद्रीय स्थान रखती है। जनरल विल्सबाख ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यासों में भारत की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग का विस्तार क्षेत्रीय सुरक्षा और संतुलन मजबूत करने में अहम होगा।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है। ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम,

पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला

इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए। बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

युद्ध विराम विस्तार पर ट्रंप के दावे पर ईरान का जवाब क्या, पाक में शांति वार्ता कहां तक पहुंची?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां कूटनीति की धागे लगातार उलझते जा रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर बनी नाजुक सहमति अब डगमगाने लगी है और दोनों देशों के बीच भरोसे की खाई और गहरी होती दिख रही है। इसी बीच बड़ा राजनीतिक उलटफेर तब सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम को बढ़ाने के एलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने अमेरिका की शर्तों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव, शर्त या धमकी के आधार पर बातचीत नहीं करेगा। हालांकि इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पाकिस्तान में शांति वार्ता की अटकलों के बीच ईरान का यह दो टूक अंदाज न सिर्फ कूटनीतिक टकराव को तेज करता है, बल्कि पहले से तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना देता है।

ईरान की दो टूक और ट्रंप का दावा समझिए : बता दें कि ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन शुरुआती संकेतों में ईरान ने अमेरिकी दावों पर शक जताया है और कहा है कि उसने संघर्षविराम बढ़ाने की कोई मांग नहीं की। आईआरआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने अमेरिका की बातचीत की शर्तों को स्वीकार नहीं

किया है। ट्रंप ने एकतरफा तरीके से युद्ध विराम को बढ़ाया है। दूसरी ओर मामले में युद्ध विराम को बढ़ाने का एलान करते हुए इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ईरान की सरकार अंदर से बंटी हुई है। इसलिए उसे एक साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करने का समय दिया जाना चाहिए। ट्रंप के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध के बाद लिया गया।

ट्रंप ने अपने एलान में क्या कहा था : बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकने का फैसला किया है। जब तक ईरान एक एकजुट प्रस्ताव नहीं देता, तब तक संघर्षविराम जारी रहेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना अपनी तैयारी बनाए रखेगी।

अभी क्या है युद्ध विराम की स्थिति : यह संघर्षविराम इस महीने की शुरुआत में बातचीत के लिए शुरू किया गया था, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसा कमजोर बना हुआ है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। इस बीच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल रोक दी गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों का कोई जवाब नहीं दिया है।

वे इज्जत बचाना चाह रहे.., ईरान और उसके नेताओं के खात्मे तक डील असंभव'; ट्रंप का इशारा क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख ने वैश्विक चिंता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज को लेकर ईरान सिर्फ इज्जत बचाने का खेल खेल रहा है। अपने बयान में ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे खुला रखना चाहता है। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईरान इस रास्ते से हर दिन लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपये) की कमाई करता है। ट्रंप ने ये बातें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में कही। जहां उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान केवल दिखावे के लिए यह कह रहा है कि वह इस जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है।

होर्मुज को लेकर फिर किया बड़ा दावा : अपने पोस्ट में एक बार फिर ट्रंप ने होर्मुज को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि असल में अमेरिका ने इस रास्ते को पूरी तरह से ब्लॉक (बंद) कर रखा है, इसलिए ईरान अपनी इज्जत बचाने के लिए ऐसी बातें कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर बताया कि ईरान तुरंत इस रास्ते को खोलना चाहता है। यानी, ईरान खुद भी समझता है कि यह रास्ता बंद रहने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ईरान को फिर ट्रंप की दो टूक, इशारा क्या : अपने पोस्ट में ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी चार दिन पहले कुछ लोग उनके पास आए और बताया कि ईरान चाहता है कि होर्मुज को तुरंत खोल दिया जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोल देता है, तो फिर ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं रहेगा। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में दो टूक अंदाज

में कहा कि ऐसी स्थिति में तब तक कोई डील नहीं हो सकती, जब तक ईरान और उसके नेताओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त कार्रवाई न की जाए। इस बात को ऐसे समझिए कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है। यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे बड़े तेल ट्रांजिट मार्गों में गिना जाता है। अनुमान है कि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, जिससे एशिया, यूरोप और अन्य देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में अगर यह जलडमरूमध्य किसी भी कारण से बंद होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई अचानक घट सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए स्थिति और गंभीर हो सकती है। यही वजह है कि होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। यहां पैदा होने वाला कोई भी संकट पूरी दुनिया में आर्थिक अस्थिरता और रणनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

धूम्रपान न करने वाले कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा फेफड़ों का कैंसर, रिसर्च में चौंकाने वाला दावा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों में भी फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से यह भी सामने आया कि युवा धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में यह जोखिम पुरुषों की तुलना में अधिक देखा गया। यूएससी नॉरिस कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर और केक मेडिसिन ऑफ यूएससी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रवृत्ति फेफड़ों के कैंसर के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है और इसके पीछे पर्यावरणीय कारणों की गहराई से जांच की जरूरत है। अध्ययन में लगभग 187 ऐसे मरीजों का विश्लेषण किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com